सतना
22 जून 2025 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

शुभमन की टीम ...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

ब्राजील में हुआ भयानक हादसा, हॉट एयर बैलून में लगी आग, 8 की मौत

ब्राजील (एजेंसी)। ब्राजील में एक दिल दहला देने वाली दुर्घटना आज देखने को मिली है। दरअसल ब्राजील के दक्षिणी राज्य संता कैटरिना में एक हॉट एयर बैलून में बीच हवा में ही आग लग गई। इस हॉट एयर बैलून में कुल 21 लोग सवार थे। जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में कुल 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 13 लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका अस्पताल में इलाज जारी है। यह हादसा तब हुआ तब हुआ जब हॉट एयर बैलून ने 21 लोगों के ग्रुप के साथ आसमान में उड़ान भरी। हालांकि इन सभी लोगों के लिए यही रोमांच एक भयानक हादसे में तब्दील हो गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा

है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे हॉट एयर बैलून में आग लगी और हॉट एयर बैलून को जलते हुए नीचे गिरता हुआ देखा जा सकता है। स्थानीय मीडिया आउटलेट त्न1 ने इस हादसे के वीडियो को जारी किया, जिसमें गुब्बारे को आग की लपटों में घिरा देखा जा सकता है। साथ ही वीडियों में यह भी देखा जा सकता है कि आग लगने के बाद बैलून से कितना धुआं निकल रहा है। इस घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद आपातकालीन सेवाओं को एक्टिव कर दिया गया और सभी जरूरी टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई। बता दें कि इस हादसे में जिन 13 लोगों की जान बची हैं, उनमें पायलट भी शामिल हैं। सांता कैटरीना के गवर्नर जोर्गेन्हो मेलो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हताहतों की पुष्टि की। उन्होंने कहा, ÷हमारी टीमें परिवारों और पीड़ितों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रही हैं। हम स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।÷

हसन नसरल्लाह के बॉडीगार्ड की इजरायली हमले में मौत

दुबई/तेल अवीव (एजेंसी)। लेबनान की शिया संगठन हिजबुल्लाह ने शनिवार को बताया कि उसके

दिवंगत नेता हसन नसरल्लाह का मुख्य सुरक्षाकर्मी अबू अली खलील ईरान में एक इजरायली हवाई हमले में मारा गया है। अबू अली खलील को अबू अली जवाद के नाम से भी जाना जाता था। हिजबुल्लाह के एक अधिकारी ने बताया कि अबू अली इराक से ईरान गया था, जहां शनिवार को वह हमले की चपेट में आ गया। अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी, क्योंकि उसे मीडिया से बात करने की इजाजत नहीं थी। बता दें कि अबू अली कई सालों तक नसरल्लाह के साथ उसके ज्यादातर सार्वजनिक कार्यक्रमों में उसकी सुरक्षा में तैनात रहता था। सितंबर में बेरूत के एक उपनगर में इजरायली हवाई हमले में नसरल्लाह की मौत के बाद, अबू अली को बेरूत में नसरल्लाह की कब्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उधर, यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका ने इजरायल के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई में हिस्सा लिया, तो वे लाल सागर में अमेरिकी जहाजों और युद्धपोतों पर हमले शुरू कर देंगे। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने एक प्री-रिकॉर्डेड वीडियो में कहा, %अगर अमेरिका इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर हमला करता है, तो हमारी सेनाएं लाल सागर में उनके जहाजों को निशाना बनाएंगी।% यह बयान तब आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इजरायल के साथ मिलकर सैन्य कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं।

छतरपुर में मां और उसके दो बच्चों का दिनदहाड़े अपहरण

छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में एक महिला और उसके दो बच्चों का दिनदहाड़े अपहरण हो गया। एक युवक अपने साथियों के साथ पहुंचा और फायरिंग करते हुए महिला मिथलेश (26), उसके बेटे सार्थक (7) और बेटी भूमि (5) को जबरन कार में बैठाकर ले गया। इस दौरान आरोपी ने महिला के पति को भी पीटा। घटना लवकुशनगर थाना क्षेत्र के ग्राम सुमेरी में शनिवार दोपहर की है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आरोपी संजय सिंह राजपूत करीब एक दर्जन लोगों के साथ कार से गांव पहुंचा। सभी के पास हथियार और लाठी-डंडे थे। उन्होंने गांव में घुसते ही फायरिंग शुरू कर दी। लवकुशनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की तलाश में कई जगह दबिश दी जा रही है।
महिला को खींचकर ले जाता दिखा आरोपी: घटना का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि आरोपी युवक संजय सिंह महिला को खींचकर रहा है। उसके पीछे बाकी साथी लाठी-डंडे लेकर जा रहे हैं। आरोपियों ने महिला और बच्चों को जबरन गाड़ी में बिठाया। यह पूरी घटना कैमरे में रिकॉर्ड हो गई।

राहुल बोले- जिससे जवाब चाहिए, वो सबूत मिटा रहा

EC बोला- पोलिंग सेंटर की फुटेज सार्वजनिक नहीं कर सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने शनिवार को कहा कि वोटिंग सेंटर्स की वेबकास्टिंग की CCTV फुटेज शेयर करना सही नहीं है। इससे वोटर्स, ग्रुप की पहचान करना आसान हो जाएगा। वोट देने वाले और वोट न देने वाले दोनों ही असामाजिक तत्वों के दबाव, भेदभाव और धमकी का शिकार हो सकते हैं।
आयोग ने कहा- CCTV फुटेज सार्वजनिक करना जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के कानूनी प्रावधानों और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन होगा। आयोग का ये जवाब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली होने के दावे पर CCTV फुटेज शेयर करने की मांग पर आया है।
आयोग ने उदाहरण देते हुए कहा- किसी विशेष राजनीतिक दल को किसी विशेष बूथ पर कम वोट मिलते हैं, तो वो ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज के जरिए बड़ी ही आसानी से पहचान कर सकेगा कि किसने उन्हें वोट दिया और किसने नहीं। इसके बाद वोट न देने वालों को

परेशान किया जा सकता है। इससे पहले शनिवार दोपहर राहुल गांधी ने अपनी X पोस्ट में लिखा- वोटर लिस्ट? Machine-readable फॉर्मेट नहीं देंगे। CCTV फुटेज? कानून बदलकर छिपा दी। चुनाव की फोटो-वीडियो? अब 1 साल नहीं, 45 दिनों में ही मिटा देंगे। जिससे जवाब चाहिए था - वही सबूत मिटा रहा है। साफ दिख रहा है- मैच फिक्स है, और फिक्स किया गया चुनाव, लोकतंत्र के लिए जहर है। दरअसल, चुनाव आयोग ने तय किया है कि अब चुनावों के दौरान खींची गई फोटो, CCTV फुटेज, वेबकास्टिंग और वीडियो रिकॉर्डिंग सिर्फ 45 दिनों तक ही सुरक्षित रखी जाएंगी। इसके बाद सारा डेटा डिलीट कर दिया जाएगा।
EC ने 30 मई को सभी राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अगर किसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव नतीजे को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जाती है, तो 45 दिन बाद ये सारा डेटा नष्ट कर दिया जाए।

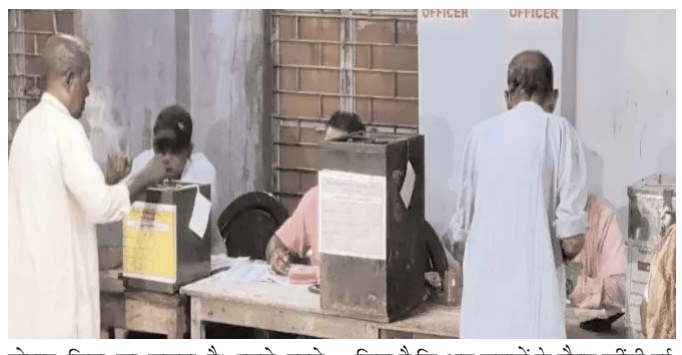

सतना में 5 लाख के जेवर के साथ पकड़ाया चोर

सतना (एजेंसी)। सतना के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में घर का ताला तोड़कर लाखों के जेवर चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी से 5 लाख रुपए के सोने के जेवरात जब्त किए हैं। उसे न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। फरियादी अशोक

भागवानी ने 20 जून को थाना सिटी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 18 जून की रात 10 बजे वे परिवार सहित कैमोर एक निमंत्रण में गए थे। अगले दिन लौटने पर घर का मुख्य दरवाजा और अलमारी का ताला टूटा मिला। चोर सोने के जेवरात चोरी कर ले गया था। मामले में पुलिस ने अपराध क्रमांक 431/25, धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्य और सूचना के आधार पर पुलिस ने संदेही अजय दाहिया (24), निवासी राजीव नगर नई बस्ती, थाना कोलगवां को हिरासत में लिया।

अहमदाबाद हादसा-एअर इंडिया के 3 अफसरों को हटाने का आदेश

DGCA ने एयरलाइन से 10 दिन में रिपोर्ट मांगी; हादसे में 270 मौतें हुई थीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद हादसे के बाद DGCA ने शनिवार को एअर इंडिया को 3 अफसरों को हटाने का आदेश दिया। इनमें डिविजिनल वाइस प्रेसिडेंट चूड़ा सिंह, क्रू शेड्यूलिंग करने वाली चीफ मैनेजर पिंकी मित्तल और क्रू शेड्यूलिंग की प्लॉनिंग से जुड़ी पायल अरोड़ा शामिल हैं। तीनों अफसरों के खिलाफ यह कार्रवाई एविएशन सेफ्टी प्रोटोकॉल के गंभीर उल्लंघन को लेकर की गई। ष्ठत्रष्ट ने एअर इंडिया को तत्काल प्रभाव से इन्हें क्रू शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग से जुड़े रोल से हटाने का आदेश दिया। उधर, एअर इंडिया ने कहा कि DGCA के आदेश को लागू कर दिया गया है। कंपनी के चीफ ऑपरेशन्स ऑफिसर अगले आदेश तक इंट्रीग्रेटेड ऑपरेशन्स कंट्रोल सेंटर की सीधी निगरानी करेंगे। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, आदेश 20 जून को दिया गया था, जो आज सामने आया। यह फैसला अहमदाबाद में 12 जून को

हुए प्लेन क्रैश हादसे के बाद लिया गया। लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 उड़ान भरने के तुरंत बाद क्रैश हो गई थी। प्लेन मेडिकल कॉलेज हॉस्टल से टकराया था, जिससे यात्रियों समेत कुल 270 लोग मारे गए थे।

दिल्ली के कई इलाकों में तेज बारिश

राजस्थान में मानसून एक्टिव, भीलवाड़ा में नौ घंटे में 7 इंच बारिश से बाढ़ जैसे हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून तेज रफ्तार से उत्तर भारत में पहुंच गया है। शुक्रवार को उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के कुछ इलाकों में एंट्री कर ली है। अब केवल दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब में ही मानसून का पहुंचना बाकी है। हालांकि शनिवार शाम दिल्ली के कई इलाकों में तेज बारिश हुई।

फिलहाल मानसून राजस्थान के 50त्न हिस्से को कवर कर चुका है। आज 30 जिलों में बारिश का येलो अलर्ट है। कुछ जिलों में तेज गर्मी पड़ रही है, शुक्रवार को श्रीगंगानगर में 42.8 डिग्री पारा रहा। जोधपुर में बरसात के कारण पुलिया की रपट पर भरे पानी से कार फिसलकर नीचे नाले में गिर गई। इससे ?उसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गई। भीलवाड़ा मे शनिवार सुबह 8 से शाम 5 बजे तक 7 इंच पानी बरसा, जिससे यहां बाढ़ जैसे हालात हो गए। मध्यप्रदेश के आखिरी बचे 2 जिले- भिंड और मऊगंज में भी मानसून शुक्रवार को पहुंच गया। उत्तर प्रदेश में मानसून ने दो दिन के अंदर लखनऊ समेत 56 जिलों को कवर कर लिया है। उत्तर

प्रदेश के सिर्फ 19 जिले ऐसे हैं, जहां मानसून का एक्टिव होना बाकी है। आज मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मानसूनी बारिश ने पूरे मध्यप्रदेश को तरबतर कर दिया है। नदी-नाले उफान पर होने से कई रास्ते बंद हो गए हैं। ऐसा ही मौसम अगले 24 घंटे यानी शनिवार को भी बना रहेगा। मौसम विभाग ने पूर्वी हिस्से के जिलों में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यहां अगले 24 घंटे में 4 से 8 इंच तक पानी गिर सकता है।

अंतरिक्ष में पहली बार इंसुलिन और ब्लड-शुगर पर होगा रिसर्च

एक्सिओम-4 मिशन में एस्ट्रोनॉट पहनेंगे ग्लूकोज मॉनीटर; इससे डाइबिटीज के इलाज में भी मदद मिलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक्सिओम-4 मिशन डाइबिटीज के मरीजों के लिए अंतरिक्ष की यात्रा करने की उम्मीद की किरण लेकर आया है। ऐसा इसलिए क्योंकि ॅश्व की हेल्थ सर्विस प्रोवाइडर बुर्जील होल्डिंग्स माइक्रोग्रैविटी में ग्लूकोज के व्यवहार पर एक रिसर्च कर रही है। एक्सिओम-4 मिशन के तहत सूट राइड एक्सपेरिमेंट के एक हिस्से के रूप में भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला समेत बाकी लोग ऑर्बिटल लैब में 14 दिन लगातार ग्लूकोज मॉनिटर पहनेंगे।
अबू धाबी की बुर्जील होल्डिंग्स के CMO मोहम्मद फितयान ने पीटीआई को बताया कि वे बस यह देखने की कोशिश कर रहे हैं कि अंतरिक्ष में रहने के दौरान ब्लड शुगर के लेवल में कोई बदलाव या उतार-चढ़ाव होता है या नहीं।
माइक्रोग्रैविटी में ग्लूकोज और इंसुलिन के व्यवहार के अध्ययन से वैज्ञानिकों को

अंतरिक्ष यात्रियों और उन रोगियों के लिए वियरेबल टेक्नीक बनाने में मदद मिलेगी जो बिस्तर पर पड़े हैं या लकवा जैसी बीमारियों के कारण कम मूवमेंट कर पाते हैं। इसके अलावा अंतरिक्ष यात्री इंसुलिन पेन भी साथ ले जाएंगे, जो अलग-अलग तापमान में रखे होंगे, जिससे यह देखा जा सके कि माइक्रोग्रैविटी में इंसुलिन के अणुओं पर क्या असर पड़ता है।
नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA) इंसुलिन लेने वाले डाइबिटीज के रोगियों को अंतरिक्ष में जाने की परमिशन नहीं देता है। हालांकि इंसुलिन न लेने वाले डाइबिटीज के रोगियों के लिए कोई आधिकारिक मनाही नहीं है, लेकिन अभी तक कोई भी शुगर पेशेंट एस्ट्रोनॉट ने अंतरिक्ष की यात्रा नहीं की है।
इसके अलावा एक्सिओम मिशन-4 के दौरान 60 प्रयोग किए जाने हैं, जिनमें 7 भारतीय वैज्ञानिकों ने डेवलप किए हैं??। इसमें माइक्रोग्रैविटी में स्प्राउट्स का अंकुरण, फसलों के बीजों पर रिसर्च, एल्गी पर माइक्रोग्रैविटी और रेडिएशन का असर जैसे रिसर्च प्रोजेक्ट शामिल हैं।

रीवा में शराब दुकान से सड़क पर फैलती थी गंदगी, किया जुर्माना

रीवा (एजेंसी)। रीवा नगर निगम की टीम ने शनिवार शाम बिछिया थाना क्षेत्र में मौजूद शराब दुकान पर कार्रवाई की। बताया गया कि शराब दुकान से सड़क पर गंदगी फैलाई गई थी। सड़क घेरकर अपना बोर्ड लगाया गया था। दुकान के आसपास असामाजिक तत्वों का जमावड़ा भी लगता था। नगर निगम आयुक्त सौरभ सोनवड़े ने इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया नगर निगम की राजस्व टीम ने 21 जून को आर के कार बाजार द्वारा पार्किंग और सड़क पर गाड़ियां

खड़ी कर व्यापार किए जाने और आवागमन बाधित करने के कारण वाहन जब्त करते हुए चालानी कार्यवाही की। साथ ही कॉम्प्लेक्स में शराब दुकान द्वारा खाली बोतलें बाहर सड़क के आसपास फेंकने और रास्ते में बोर्ड लगाकर अतिक्रमण किया गया था। इसलिए शराब दुकान पर भी कार्यवाही की गई है। शराब दुकान को भविष्य में इस तरह की हरकत न करने की भी चेतावनी दी गई है। इसके साथ ही खाद्य दुकानों पर भी अव्यवस्था फैलाने के चलते चालानी कार्यवाही की गई।

ऑपरेशन सिंधु- ईरान से 310 और नागरिक भारत पहुंचे, अबतक 827 भारतीय स्वदेश लौटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-इजराइल संघर्ष के बीच ऑपरेशन सिंधु के तहत अब तक कुल 827 भारतीयों को निकाला गया है। मशहद से एक और प्लेन शनिवार शाम 4.30 बजे 310 नागरिकों को लेकर नई दिल्ली पहुंचा।20 जून को रात 2 बैच में 407 भारतीय लौटे थे। रात 10¬30 बजे की फ्लाइट में 190 कश्मीरी छात्रों समेत 290 लोगों की वापसी हुई थी। इनमें दिल्ली, हरियाणा, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल से भी लोग थे। देर रात 3 बजे की फ्लाइट में 117 लोग थे।19 जून को 110 छात्र आर्मेनिया और दोहा के रास्ते भारत पहुंचे थे। ईरान से दिल्ली पहुंचे इन यात्रियों ने एयरपोर्ट पर वन्दे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाए थे। कुछ लोग भावुक भी हुए। उनकी आंखों में आंसू आ गए। कुछ ने जमीन पर माथा टेका।
तेहरान से नई दिल्ली के लिए विमान ने भरी उड़ान: तेहरान के इमाम खोमैनी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से 290 भारतीय नागरिकों को लेकर माहान एयर के इस विमान ने भारतीय समयानुसार शुक्रवार शाम 6¬30 बजे नई दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। यह विमान देर रात 11¬30 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। भारत लौटे लोगों ने क्या कहा...
फातिमा- मैं प्रधानमंत्री मोदी की बहुत आभारी हूं। अब अपने देश वापस आकर मुझे शांति महसूस हो रही है। अपने वतन वापस आना बहुत खुशी की बात है।
एलिया बतूल ने कहा- मेरा परिवार बहुत परेशान था। यहां आकर हमें सुकून मिला। भारत सरकार

का बहुत-बहुत धन्यवाद। हमें वहां कोई भी समस्या नहीं हुई, क्योंकि हमारे दूतावास ने हमारा बहुत साथ दिया।
सैयद मंसूर हुसैन- सभी ने भारत मां की सरजमीं पर आकर सजदा किया। भारत सरकार का बहुत धन्यवाद। मैं भारत से प्यार करता हूं।
ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान से दिल्ली पहुंची प्रयागराज की रहने वालीं अलमास रिजवी ने कहा- हमें अच्छे होटल में रहने की जगह दी गई। समय पर लंच, डिनर, सब कुछ दिया गया। अपने देश में वापस आकर अच्छा लग रहा है। भारतीय दूतावास ने हमारी बहुत मदद की। भारत सरकार ने हमारी अच्छी देखभाल की। हमें यह एहसास भी नहीं होने दिया कि हम युद्ध जैसी स्थिति में रह रहे हैं।
ईरान ने एयरस्पेस पर लगी पाबंदी को हटाकर भारत के करीब 1000 नागरिकों को निकालने की इजाजत दी है। इनमें से यादातर छात्र हैं, जिन्हें ईरान की राजधानी से तेहरान से माशहद लाया गया था। अब इन्हें तीन चार्टर फ्लाइट्स के जरिए भारत लाया जाएगा। ये फ्लाइट्स ईरानी एयरलाइन माहान चलाएगी। भारत सरकार की ओर से ऑपरेशन सिंधु के तहत इनकी व्यवस्था की गई है। ईरानी दूतावास में मिशन के उप प्रमुख मोहम्मद जवाद हुसैनी ने बताया कि जरूरत पड़ी तो आने वाले दिनों में और फ्लाइट्स चलाई जा सकती हैं।

वन्य-जीव के अवैध शिकार के 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार

भोपाल(एजेंसी)। स्टेट टाइगर फोर्स मध्यप्रदेश इकाई भोपाल एवं शिवपुरी द्वारा अलग-अलग स्थानों पर छापामार कार्रवाई कर मध्यप्रदेश एवं राजस्थान में वन्य-जीव का शिकार कर उनके अवयवों की तस्करी करने वाले अंतर्राज्यीय संगठित गिरोह के 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इन आरोपियों में दौजी भील पिता शंकर भील, पत्नी दौजी भील सुनीता निवासी ग्राम खोहरा जिला दौसा राजस्थान और तीसरा आरोपी बेस्ता भील निवासी नयागाँव दोदीखेड़ा, कराहल जिला श्योपुर को गिरफ्तार किया गया है।

स्टेट टाइगर फोर्स मध्यप्रदेश ने इन आरोपियों के पास से वन्य-जीव तेंदुए के भारी मात्रा में अवयवों की जप्ती की गयी। साथ ही अपराध में प्रयुक्त 2 मोटर-साइकिल और 3 मोबाइल जप्त किये गये। जप्त वन्य-जीव अवयवों को फॉरेंसिक लैब में शिकार किये गये वन्य-जीवों की प्रजाति एवं संख्या की पुष्टि के लिये भेजा गया। उक्त प्रकरणों में शामिल आरोपी दौजी भील के गिरोह के साथ अन्य 2 आरोपी बनीराम आदिवासी तथा नरेश उर्फ कल्लू आदिवासी को भी गिरफ्तार किया गया। आरोपियों द्वारा 18 जून को सत्र न्यायालय जिला शिवपुरी में जमानत याचिका प्रस्तुत की गयी। स्टेट टाइगर फोर्स इकाई शिवपुरी द्वारा की गयी विवेचना एवं अभियोजन पक्ष द्वारा दी गयी दलीलों के आधार पर उक्त जमानत याचिका खारिज कर दी गयी। प्रकरण में विवेचना जारी है।

कृषक हितग्राहियों को सायबर ठगों से सावधान करने की एडवायजरी जारी

भोपाल (एजेंसी)। किसानों के कल्याण और कृषि विकास की हितग्राही मूलक योजनाओं के नाम पर सायबर ठगों से सावधान करने के लिये कृषि अभियांत्रिकी द्वारा एडवायजरी जारी की है। संचालक अभियांत्रिकी ने बताया कि कस्टम हायरिंग सेंटर योजना का लाभ दिलाने के नाम पर स्वयं को विभागीय अधिकारी के रूप में अपना परिचय देकर सायबर ठगी करते है। ऐसे प्रकरण सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषक हितग्राही योजनाओं के अंतर्गत कस्टम हायरिंग योजना की प्रक्रिया पूर्णत: पारदर्शी है। इस प्रक्रिया में किसी भी हितग्राही से योजना संबंधी संपर्क नहीं किया जाता है। संचालक कृषि अभियांत्रिकी ने हितग्राहियों से अपेक्षा की है कि वे अनजान नंबरों से आने वाले कॉल, वॉट्सऐप कॉल/वीडियो कॉल/अन्य सोशल मीडिया से प्राप्त होने वाले कॉल नबंर जिनमें मुख्यत: 07056847570, 07088438459, 0756847570, 9520711020 हो तो उन्हें बिल्कुल भी न उठाये जाए। अनजान व्यक्तियों पर विश्वास न करें, उनसे किसी भी प्रकार की सूचना व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। हो सकता है वह आपकी जानकारी अन्य माध्यम से प्राप्त कर आपको परेशान करे। यदि कोई व्यक्ति स्वयं को विभागीय अधिकारी बताकर/विभागीय अधिकारी के नाम से भी आपसे बात करे तो एकदम से उसकी बात पर विश्वास न करें।

इंदौर में उपयोगित जल प्रबंधन पर 2 दिवसीय कार्यशाला 26 जून को

भोपाल (एजेंसी)। इंदौर में 2 दिवसीय उपयोगित जल प्रबंधन पर कार्यशाला 26 एवं 27 जून को ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित की गई है। कार्यशाला में प्रदेश के सभी नगरीय निकायों के उपयोगित जल प्रबंधन से संबंधित इंजीनियर शामिल होंगे। इसके साथ ही नगर निगम आयुक्त, संभागीय संयुक्त संचालक, प्रोजेक्ट डेवलपमेंट मैनेजमेंट कंसल्टेंट और औद्योगिक क्षेत्र से संबंधित नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिक अधिकारी भी शामिल होंगे। कार्यशाला उपयोगित जल के प्रभावी प्रबंधन, नवीन तकनीकों और नीति निर्माण से जुड़े पहलुओं पर केन्द्रित रहेगी।

राजभवन में तेलंगाना और पश्चिम बंगाल का स्थापना दिवस मनाया गया

भोपाल।(एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि राज्यों के स्थापना दिवस के आयोजन से एकता की भावना और एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना साकार होती है। देश की विविधता को समझकर, विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की व्यापक और दूरगामी सोच का नतीजा है। अभियान की पहल के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रति आभार ज्ञापित किया है।

उन्होंने देशवासियों का भारत की एकता को मजबूत बनाने के लिए राज्यों की विविधता का सम्मान करने और साझा सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देने का आव्हान किया है। राज्यपाल श्री पटेल राजभवन के सांदीपनि सभागार में तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के स्थापना दिवस के संयुक्त समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता, अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव एवं प्रदेश में निवासरत दोनों राज्यों के मूल निवासी मौजूद थे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि हमारा देश विविध और बहु संस्कृति वाला है, जिसका स्वरूप विभिन्न राज्यों की विशिष्ट संस्कृति, भाषा,

इतिहास और परंपराओं से मिलकर बना है। विभिन्न राज्यों की विविधताओं में रची-बसी एकता से ही दुनिया में भारत की अनेकता में एकता की पहचान बनी है। राज्यों की विशिष्ट सांस्कृतिक परंपराओं की विरासत और विविधता में बसी मौलिक एकता को समझना ही एक भारत को श्रेष्ठ भारत बनाना है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना और बंगाल की सांस्कृतिक विविधताओं में बसी एकता को उनकी सांस्कृतिक समानताओं में समझा जा सकता है दोनों ही संस्कृतियों में जीवंत कला, नृत्य, संगीत और त्यौहार शामिल हैं। उनकी लोक कला और जनजातीय परंपराएं भी विशिष्ट है, जहां बंगाल में काली पूजा के आयोजन होते है, वहीं तेलंगाना में देवी महाकाली की पूजा के लिए पारंपरिक त्योहार बोनालू मनाया जाता है। इसी तरह तेलंगाना में नवरात्रि के दौरान बतुकम्मा का पर्व उत्साहपूर्वक मनता है। बंगाल में वह दुर्गा पूजा के रूप में मनाया जाता है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ पूर्वी भारत से क्रांतिकारी खुदीराम बोस, सूर्यसेन, प्रफुल्ल चाकी, बाघा जतिन और नलिनी दास के साथ दक्षिण भारत से क्रांतिकारी अल्लूरी सीताराम राजू, पिंगली वेंकैय्या भी समान निष्ठा और समर्पण से संघर्ष की आवाज बने थे। हमारा राष्ट्र गीत- वंदे मातरम और राष्ट्र गान- जन-गण-मन और हमारा प्रिय राष्ट्रीय संबोधन जय हिन्द यदि पूरब की सौगात है तो वहीं राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की डिजाईन दक्षिण के पिंगली वेंकैय्या की देन है। उन्होंने मध्यप्रदेश के प्रथम नागरिक के रूप में तेलंगाना और बंगाल राज्यों के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने भारत के सबसे नये तेलंगाना और सबसे पुराने पश्चिम बंगाल राज्य के स्थापना दिवस के संयुक्त आयोजन की पहल की सराहना की।

उन्होंने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में शामिल कलाकारों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए और उनकी सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

जूट कार्पोरेशन ऑफ इण्डिया और कॉटन कार्पोरेशन ऑफ इण्डिया के प्रतिनिधिमण्डल ने जानी मध्यप्रदेश की एडवांस्ड फूड ग्रेन प्रोक्योरमेंट प्रणाली

भोपाल (एजेंसी)। जूट कार्पोरेशन ऑफ इण्डिया और कॉटन कार्पोरेशन ऑफ इण्डिया के संयुक्त प्रतिनिधिमण्डल ने भोपाल में मध्यप्रदेश की एडवांस्ड फूड ग्रेन प्रोक्योरमेंट प्रणाली के बारे में जानकारी ली। एमडी नागरिक आपूर्ति निगम श्री अनुराग वर्मा प्रणाली ने इस संबंध में विस्तार से जानकारी दी। प्रतिनिधिमण्डल ने मध्यप्रदेश के प्रोक्योरमेंट सिस्टम की सराहना करते हुए कहा कि इस सिस्टम को अपने कार्पोरेशन में भी लागू करेंगे। प्रतिनिधिमण्डल ने किसानों के रजिस्ट्रेशन, डिजिटल पेमेंट और सप्लाई चेन लॉजिस्टिक्स के बारे में जानकारी ली और कहा कि यह पारदर्शिता और प्रभावशीलता के हिसाब से

बेंच मार्क है।

उन्होंने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की बेस्ट प्रेक्टिसेस और नवाचारों की सराहना की और कहा कि इसका लाभ हम उठाएंगे। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य जूट और कॉटन के नेशनल प्रोक्योरमेंट फ्रेमवर्क की दक्षता को बढ़ाने के लिये मध्यप्रदेश में किये जा रहे नवाचारों का अध्ययन करना था। प्रतिनिधिमण्डल ने विभागीय अधिकारियों से भी विस्तार से संवाद किया।

भोपाल में मोबाइल पासपोर्ट वैन सेवा शुरू: पासपोर्ट बनवाना हुआ आसान

भोपाल (एजेंसी)। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के अधीन क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय भोपाल द्वारा नागरिकों को तेज़, पारदर्शी और सुविधाजनक पासपोर्ट सेवाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से मोबाइल पासपोर्ट वैन सेवा की शुरुआत की गई है। इस सेवा का उद्देश्य दूर-दराज़ इलाकों में पासपोर्ट सुविधाएं सहजता से उपलब्ध करवाना है। पासपोर्ट अधिकारी श्री शितांशु चौरसिया ने शुक्रवार को क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय भोपाल में मोबाइल पासपोर्ट वैन का अनावरण किया। यह मोबाइल सेवा, भोपाल क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में आने वाले जिलों में आवश्यकता के अनुसार दीर्घकालिक रूप से तैनात की

जाएगी। इस सेवा का लाभ उठाने के लिए मध्यप्रदेश के निवासी पासपोर्ट सेवा की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं। आवेदन करते समय 'पासपोर्ट वैन' सेवा का चयन करें और उपलब्ध तिथियों में से अपनी सुविधा के अनुसार अपना स्लॉट निर्धारित करें। अपॉइंटमेंट वाले दिन, आवेदक को निर्धारित समय पर बताए गए स्थान पर पहुंचना होगा और वहां मौजूद मोबाइल पासपोर्ट वैन टीम से संपर्क करना होगा।

मध्यप्रदेश भवन दिल्ली में बुंदेली लोकगायन की प्रस्तुति

भोपाल। मध्यप्रदेश भवन दिल्ली में विख्यात बुंदेली लोक गायिका श्रीमती उर्मिला पाण्डेय और समूह द्वारा बुंदेली लोकगायन की प्रस्तुति दी गई। श्रीमती पाण्डेय ने सरस्वती वंदना, देवीस्तुति, बुंदेलखंड का महिमागान, संस्कार गीत और ऋतु गीत की प्रस्तुति दी। सह-गायिका श्रीमती नेहा तिवारी और अनामिका पाण्डेय के साथ ढोलक पर श्री महेंद्र चराग, तबला पर श्री मधुरेंद्र आनंद, पैड पर श्री गुलशन तिवारी और बैंजो पर श्री घनश्याम वंशकर ने संगत दी। कार्यक्रम में आवासीय आयुक्त श्रीमती रश्मि अरुण शमी, मध्यप्रदेश शासन के अन्य अधिकारी और कर्मचारी तथा दिल्ली में निवासरत मध्यप्रदेश के मूलनिवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नगरीय निकाय प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिये शहरी सुधार कार्यक्रम

भोपाल। प्रदेश के नगरीय निकायों में संपत्ति कर प्रणाली में सुधार और पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से शहरी सुधार कार्यक्रम योजना लागू की गई है। प्रदेश के 369 नगरीय निकायों में लेखा प्रणाली के संभूति आधारित द्विप्रविष्टीय लेखा प्रणाली में कार्य पूरा कर लिया गया है। प्रदेश के 44 नगरीय निकायों में इस कार्य को पूरा करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। नगरीय निकायों में जीआईएस आधारित मानचित्र तैयार कर संपत्ति कर दायरे तथा वसूली में वृद्धि किये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। राज्य के 413 नगरीय निकायों में बहुउद्देश्यीय पारिवारिक सर्वेक्षण और मानचित्र कार्य पूरा कर लिया गया है। 294 नगरीय निकायों में संपत्ति सर्वेक्षण कार्य पूरा किया जा चुका है। योजना में 119 नगरीय निकायों में यह कार्य प्रगति पर है। प्रदेश में 15 नगर निगमों में से 9 नगर निगमों का कार्य पूरा हो चुका है। प्रदेश 6 नगर निगमों में यह कार्य प्रगति पर है। प्रदेश के नगरीय निकायों को राजस्व संग्रहण के लिये प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रोत्साहन पुरस्कार योजना में अनुदान राशि प्रदान की जा रही है। राजस्व संग्रहण के लिये नगर निगमों, नगर पालिका परिषद और नगर परिषदों को उनके द्वारा की गई कर वसूली के आधार पर अनुदान राशि प्रदान की जा रही है।

हर घर जल अभियान की दिशा में प्रदेश में जल जीवन मिशन का हो रहा प्रभावी क्रियान्वयन

भोपाल (एजेंसी)। भारत सरकार की सेंट्रल नोडल अधिकारी श्रीमती गरिमा श्रीवास्तव, सचिव, एग्रीकल्चरल साइंटिस्ट रिक्रूटमेंट बोर्ड भारत सरकार ने गुरुवार को आगर मालवा जिले के ग्राम रावली का निरीक्षण कर जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रही नलजल योजनाओं की प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर जल पहुंचाने की दिशा में मध्यप्रदेश प्रभावी कार्य कर रहा है। इस मिशन के चलते बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक असर देखा जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान उनके साथ भारत सरकार के श्री के. एल. प्रदीप, तकनीकी अधिकारी, भोपाल भी उपस्थित थे। निरीक्षण दल ने ग्राम के प्राथमिक विद्यालय और आंगनवाड़ी केंद्र में संचालित नलजल योजनाओं की कार्य प्रणाली को देखा तथा जल गुणवत्ता, आपूर्ति की नियमितता और उपभोक्ताओं

की संतुष्टि जैसे पहलुओं पर अधिकारियों से जानकारी ली।

श्रीमती श्रीवास्तव ने बताया कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की सतत आपूर्ति सुनिश्चित करना है, और मध्यप्रदेश इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, राज्य सरकार के प्रयासों को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की टीम द्वारा नलजल योजना के तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी गई तथा मिशन की वर्तमान प्रगति से अवगत कराया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान में वन विभाग की प्रभावी पहल

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान में वन विभाग द्वारा जल स्त्रोतों के संरक्षण और वन्य जीवों की जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश में अभियान 30 मार्च से क्रियान्वित है। अभियान 30 जून तक चलेगा। अभियान के तहत वन क्षेत्रों में तालाबों, झिरियों, सांसर, स्टॉप डैम और वाटर लिफ्टिंग सिस्टम जैसी संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार कुल 308 तालाबों का निर्माण, 329 तालाबों का गहरीकरण, 371 सौसर निर्माण, 94 स्टॉप डैम, 1966 झिरिया निर्माण और 20 किलोमीटर वाटर लिफ्टिंग सिस्टम विकसित

करने का लक्ष्य रखा गया है। वन विभाग द्वारा जल संवर्धन अभियान में 97 तालाबों का निर्माण, 126 तालाबों का गहरीकरण, 215 सांसर, 106 स्टॉप डैम, 1035 झिरियों का निर्माण और 12 किलोमीटर वाटर लिफ्टिंग सिस्टम का कार्य पूरा किया जा चुका है। शेष जल संरचनाओं का निर्माण कार्य भी किया जा रहा है। अविरल निर्मल नर्मदा योजना में वर्ष 2025-26 में 5600 हेक्टेयर क्षेत्र में पौध-रोपण एवं भू-जल संरक्षण कार्य के लिए 70 करोड़ रुपये की परियोजना के लिये भारत सरकार से अनुमोदन प्राप्त हो चुका है और रोपण कार्य के लिये क्षेत्र की तैयारी तथा भू-जल संरक्षण कार्य प्रारंभ कर दिए गए हैं। इस क्षेत्र में वर्ष 2026 में रोपण कार्य किया जाएगा। वन विभाग की यह पहल प्रदेश में जल संरक्षण और पारिस्थितिकी संतुलन की दिशा में एक सशक्त कदम है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत वन विभाग ने जल संरक्षण, पौध-रोपण और जैव विविधता के संवर्धन के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं। वर्ष 2025-26 में विभिन्न योजनाओं के तहत 75 हजार 25 हेक्टेयर क्षेत्र में 5.38 करोड़ पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके लिए विभागीय रोपणियों में 6 करोड़ पौधों की तैयारी की गई है। भारत सरकार से 71 हजार 650 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए परियोजना की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। वर्ष 2026 में पौध-रोपण कार्य किया जाएगा।

पुलिस कमिश्नर को लिखी चिट्ठी

भोपाल (एजेंसी)। राजधानी में रत्नागिरी ?तिराहे से भदभदा तक मेट्रो की ब्लू लाइन पर काम शुरू हो गया है। लेकिन राजभवन की बगल से निकलने वाली लाइन पर पेंच फंस सकता है, क्योंकि मेट्रो के पिलर की ऊंचाई राजभवन की सुरक्षा दीवार से भी ऊंची रहेगी। जिससे पूरा राजभवन मेट्रो के भीतर से दिखाई देगा। इसको लेकर राजभवन सुरक्षा की तरफ से एक चिट्ठी भोपाल पुलिस कमिश्नर को लिखी है। जिसमें मेट्रो की लाइन को ध्यान में रखकर राजभवन की सिक्योरिटी ऑडिट करने के लिए कहा गया है। इसमें लिखा है कि मेट्रो लाइन राजभवन के एकदम नजदीक से निकल रही है।

क्या ऐसे में व्यू कटर लगाना जरूरी है या फिर दूसरा कोई सुरक्षा इंतजाम किया जाए। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग को भी सूचित किया गया है। जानकारी मिली है कि पुलिस कमिश्नर ऑफिस की तरफ से राजभवन की सिक्योरिटी ऑडिट पर काम शुरू कर दिया है और एक कमेटी बनाई जा रही है, जिसमें राजभवन के प्रतिनि?धि, पुलिस ?डिपार्टमेंट के अफसर, पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर और मेट्रो कार्पोरेशन के अफसर शामिल होंगे। जल्दी इसकी एक बैठक बुलाकर तमाम आपत्तियों पर चर्चा की जाएगी।

रोशनपुरा से राजभवन जाते समय मालवीय नगर साइड वाले हिस्से में मेट्रो की ब्लू लाइन का काम चल रहा है। लगभग 400 मीटर के लंबाई वाले हिस्से पर ही आपत्ति ली गई है। यह लाइन राजभवन की दीवार से महज 40 से 50 फीट ही दूर है। मेट्रो पिलर की ऊंचाई 18 से 24 मीटर तक रहती है। जबकि राजभवन की दीवार की ऊंचाई केवल तीन मीटर है। ऐसे में मेट्रो से पूरा राजभवन आसानी से दिखाई देगा। मेट्रो के एक अफसर का कहना है कि यात्रियों की चेकिंग की जाती है। वहीं मेट्रो पूरी तरह पैक होती है।

सरकार ने हाई कोर्ट में लगाई कैविएट

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन के गुरुवार को पदोन्नति में आरक्षण से जुड़े लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 का नोटिफिकेशन जारी कर दिया। इसी के साथ 9 साल बाद पदोन्नति की राह खुल गई है। हालांकि, कई कर्मचारी संगठन नए नियमों के विरोध में भी आ गए हैं। वे नए नियम को हाई कोर्ट में चुनौती देने का ऐलान कर चुके हैं। सामान्य, पिछड़ा और अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी संघ (सपाक्स)? का कहना है कि सरकार ने क्रीमीलेयर को? आरक्षण से बाहर करने का कोई? प्रावधान नहीं जोड़ा है। नए नियमों ?से भी सामान्य, पिछड़ा और ओबीसी को कोई तात्कालिक लाभ नहीं? मिलेगा। इसे देखते हुए सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने हाई कोर्ट की जबलपुर मुख्यपीठ के साथ ग्वालियर व इंदौर खंडपीठों में कैविएट दायर की है। जीएडी के उप सचिव अजय कटेसरिया के मुताबिक हाई कोर्ट से अनुरोध किया गया है यदि कोई पदोन्नति नियम या उसके किसी भी प्रावधान को चुनौती देता है तो अग्रिम जानकारी महाधिवक्ता कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए। सरकार का पक्ष सुने बिना कोई भी स्थगन आदेश पारित न किया जाए।

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड में योग दिवस का आयोजन किया गया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड स्टाफ क्लब में योग शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शिवानंद दर्शन योगाश्रम सतना से पधारे स्वामी श्री हरिश्रद्धानंद सरस्वती के सानिध्य में कालोनी में निवासरत महिलाओं, कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने इस योग शिविरि में बड़ी संख्या में भाग लेकर योग का अभ्यास किया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की इस साल की थीम ''एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिये योग'' है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये स्वामी श्री हरिश्रद्धानंद सरस्वती ने कहा कि योग संतुलन, सजगता और शांति के अपने मूल्यों से व्यक्ति और प्रकृति दोनो को एक करता है। आज के समय में शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को संतुलित रखने के लिए योग सबसे जरुरी उपाय हो चला है। योग एक प्राचीन भारतीय विज्ञान है जो शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य को संतुलित रखने में मदद करता है।

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के एजीएम सीएसआर एवं जनसंपर्क देवेन्द्र मिश्रा ने उपरोक्त जानकारी देते हुये बताया कि इसके अलावा प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के सहयोग से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बम्हौरी में भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग शिविर का आयोजन किया गया। यह योग प्रशिक्षण शिवानंद दर्शन योगाश्रम के योग प्रशिक्षक संतोष वर्मा निर्देशन में किया गया जिसमें विद्यालय परिवार के शिक्षक, शिक्षिकायें एवं ग्रामीणों की सहभागिता रही। सभी योग प्रशिक्षार्थियों को शिवानंद दर्शन योगाश्रम द्वारा निःशुल्क योग साहित्य भी उपलब्ध कराया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मनीष कुमार सिंह, प्लांट हेड एंड प्रेसीडेंट एवं मनीष कुमार सिन्हा, सीनियर वाइस प्रेसीडेंट एचआरएम एंड कार्पोरेट अफेयर्स ने सभी को शुभकामनायें प्रेषित करते हुये अपने संदेश में कहा कि सभी को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को संतुलित रखने के लिये योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिये। कार्यक्रम में आर. एल. देशमुख, मनोज कश्यप, कर्नल मनीष प्रसाद, रंजन वर्मा, विपिन कुमार, देवेन्द्र मिश्रा, प्रकाश पाण्डेय, संजय सिंह परिहार एवं काफी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी एवं कालोनीवासी उपस्थित रहे।

विश्व योग दिवस पर मऊगंज में आयोजित हुए सामूहिक योग कार्यक्रम

स्वस्थ रहने के लिए योग को अपने जीवन का अंग बनाएं : सांसद

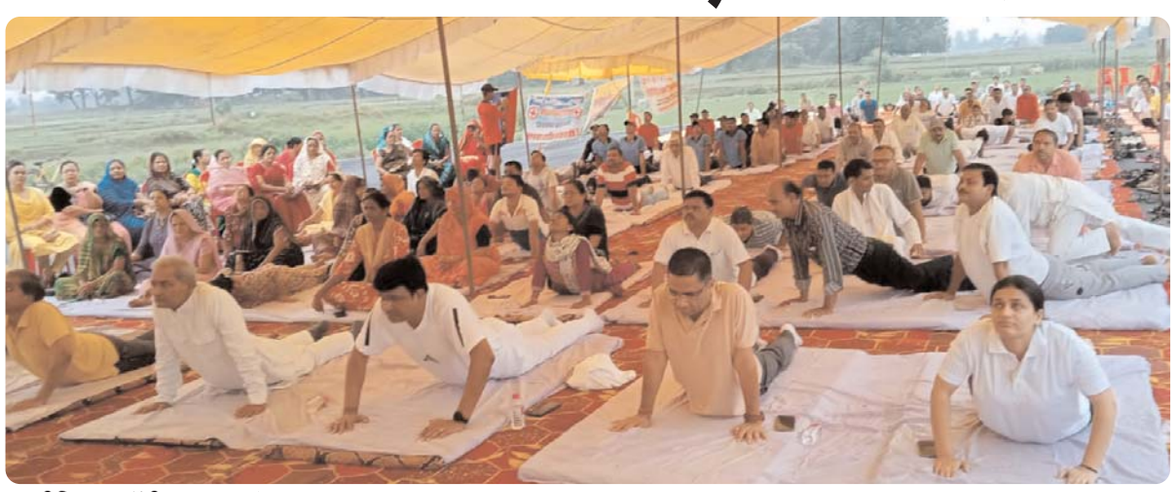

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। विश्व योग दिवस पर मऊगंज जिला मुख्यालय सहित जिले भर में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला स्तरीय सामूहिक योग कार्यक्रम कलेक्ट्रेट परिसर मऊगंज में आयोजित हुआ। सामूहिक योग कार्यक्रम में सांसद जनार्दन मिश्र, विधायक मऊगंज प्रदीप पटेल सहित, कलेक्टर संजय कुमार जैन, प्रशासनिक अधिकारियों, महाविद्यालय एवं विद्यालयों के शिक्षकों तथा जनप्रतिनिधियों युवाओं एवं आमजन ने योगाभ्यास किया। देवतालाब के सरदार वल्लभ भाई पटेल महाविद्यालय परिसर में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष तथा विधायक देवतालाब गिरीश गौतम ने वरिष्ठ समाजसेवी डॉ राजेन्द्र मिश्र, जनप्रतिनिधियों तथा विद्यार्थियों के साथ योगाभ्यास किया। इस अवसर पर सांसद मिश्र ने कहा कि स्वस्थ्य रहने के लिए योग को अपने जीवन का अंग बनाएं। योगाभ्यास करने से शारीरिक और मानसिक दोनों लाम मिलते हैं योग तनाव चिंता को कम करने में भी लाभप्रद है। उन्होंने कहा कि जब स्वस्थ्य व्यक्ति होगा तभी स्वस्थ्य समाज का निर्माण होगा और जब स्वस्थ्य समाज होगा तभी देश का विकास होगा। इसलिए योग एवं प्राणायाम नियमित करें। विश्व योग दिवस पर मऊगंज के सभी नगरीय निकायों तथा ग्राम पंचायतों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी, एसडीएम मऊगंज बीपी पाण्डेय, एसडीएम हनुमना रश्मि चतुर्वेदी तथा अन्य अधिकारियों ने विद्यार्थियों के साथ योग दिवस कार्यक्रम में भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का राजरानी सेवा संस्थान में हुआ सफल आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में, राष्ट्रीय न्यास (नेशनल ट्रस्ट) एवं सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार से मान्यता प्राप्त संस्था राजरानी सेवा एवं शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान, छत्रपति नगर, रीवा में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर संस्थान के दिव्यांग छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और "करो योग, रहो निरोग" का संदेश जन-जन तक पहुँचाया।कार्यक्रम की शुरुआत सूर्य प्राणायाम से हुई, जिसमें सूर्य नमस्कार, भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, हास्य आसन आदि प्रमुख योगाभ्यास करवाए गए। सभी प्रतिभागियों ने पूरे मनोयोग से सहभागिता की।इस अवसर पर अजय सिंह (अध्यक्ष), संजय सिंह (सचिव), दीप्ति सिंह परिहार (संचालिका), डॉ. दिलीप दीपंकर (फिजियोथैरेपिस्ट), नीता रजक विशेष शिक्षिका, पूनम मिश्रा , साधना पांडे , रंजना सिंह , तरन्नुम निशा , निर्मला सिंह, राजेश सिंह , युवराज सिंह, माही सिंह, शसागर चमके की गरिमामयी उपस्थिति रही।सभी दिव्यांग छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन को अत्यंत सफल, प्रभावशाली एवं प्रेरणादायक बनाया। कार्यक्रम के समापन पर संस्थान के सचिव संजय सिंह ने योग के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए सभी को नियमित योग अभ्यास के लिए प्रेरित किया।

गंगेव जनपद प्रांगण में आयोजित हुआ योग एवं प्राणायाम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जनपद पंचायत गंगेव प्रांगण में योग एवं प्राणायाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष गंगेव विकास तिवारी अध्यक्षता मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गंगेव प्राची चौबे विशिष्ट अतिथि विकासखंड शिक्षा अधिकारी गंगेव नरेश मिश्रा की गरिमामय उपस्थित में सामूहिक योगाभ्यास प्राणायाम एवं सूर्य नमस्कार कार्यक्रम आयोजित हुआ योग और प्राणायाम की विभिन्न क्रियाओं का अभ्यास कर नियमित रूप से करने के लिए शपथ दिलाई गई यहां उपस्थित अधिकारियों एवं गणमान्यजनों के साथ आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा विशाखापत्तनम से दिए गए प्रेरणादायक संदेश का सीधा प्रसारण दिखाया व सुनाया गया कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ इस अवसर पर प्रमुख रूप से वरिष्ट कृषि विस्तार अधिकारी गंगेव शिवशरण सरल पूर्व ब्लाक कीड़ा प्रभारी बसंत सिंह सुधांशू शुक्ला युवा समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग विकासखंड गंगेव विकास कुमार सोनी विकासखंड योग प्रभारी रामदयाल शुक्ला भारत पटेल प्रमोद तिवारी श्रेया तिवारी सविता येंगल आरती सिंह प्रभा मिश्रा अमरनाथ यती अभय पटेल नंदिता शर्मा युगल किशोर प्रधान आदर्श पाण्डेय विजय शंकर गौतम राजेश यादव शिवराज सिंह बाबूलाल साकेत एवं अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए।

दिव्यांग एवं सामान्य बच्चों ने किया योगाभ्यास

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में, भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) एवं राष्ट्रीय न्यास (नेशनल ट्रस्ट) एवं सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त संस्था राजरानी सेवा एवं शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान, छत्रपति नगर, रीवा में भव्य योगासन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर संस्थान के दिव्यांग छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और "करो योग, रहो निरोग" का संदेश जन-जन तक पहुँचाया।कार्यक्रम की शुरुआत सूर्य प्राणायाम से हुई, जिसमें सूर्य नमस्कार, भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, हास्य आसन आदि प्रमुख योगाभ्यास करवाए गए। सभी प्रतिभागियों ने पूरे मनोयोग से सहभागिता की।इस अवसर पर अजय सिंह (अध्यक्ष), संजय सिंह कोर्स कोऑर्डिनेटर, दीप्ति सिंह परिहार (संचालिका), डॉ. दिलीप दीपंकर (फिजियोथैरेपिस्ट), नीता रजक विशेष शिक्षिका, पूनम मिश्रा , साधना पांडे , रंजना सिंह , तरन्नुम निशा , निर्मला सिंह, राजेश सिंह , युवराज सिंह, माही सिंह, शसागर चमके की गरिमामयी उपस्थिति रही।सभी दिव्यांग छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन को अत्यंत सफल, प्रभावशाली एवं प्रेरणादायक बनाया।कार्यक्रम के समापन पर संस्थान के सचिव संजय सिंह ने योग के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए सभी को नियमित योग अभ्यास के लिए प्रेरित किया।

राजरानी सेवा संस्थान द्वारा संचालित डी एड विशेष शिक्षा कॉलेज एवं समावेशी एवं विशेष विद्यालय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राजरानी सेवा एवं शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान एवं सोशल वेलफेयर सोसायटी सतना मध्य प्रदेश के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया जिसमें संस्थान के निदेशक संजय सिंह गहरवार रानी सिंह मालती सिंह प्राचार्य अनीता विश्वकर्मा एवं अतिथि के रूप में पधारे हुए जय बजरंग सेवा के संभाग मंत्री अरुण शर्मा के नेतृत्व में योग दिवस मनाया गया इसमें सभी के द्वारा योग किया गया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक गण जनप्रतिनिधि एवं छात्र -छात्राओ के द्वारा योगासन किया गया संस्थान के सचिव एवं निदेशक श्री संजय सिंह गहरवारजी के द्वारा छात्र-छात्राओं को योग के विशेष महत्व एवं लाभ से भी अवगत कराया गया साथ ही प्राचार्या श्रीमती अनीता विश्वकर्मा के द्वारा सभी से दैनिक जीवन में प्रतिदिन योगा करना चाहिए जिसके कारण हमारा शारीरिक एवं मानसिक विकास संभव है और हम सदैव स्वस्थ बने रहेंगे कार्यक्रम में इनकी विशेष रही उपस्थित आरती पटेल अमिता सिंह ,वैशाली श्रीवास्तव, अरविंद कुमार गौतम,कीर्ति शुक्ला, मधु शुक्ला, वर्षा साहू ,प्रगति साहू ,कोमल चर्मकार, करुणा वर्मा, साक्षी पांडे ,कमला, ललित, केदार एवं बृजमोहन सिंह एवं समान एवं दिव्यांग छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

शासकीय महाविद्यालय मड़वास में धूमधाम से मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एवं अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा रीवा सम्भाग रीवा डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सिंह के मार्गदर्शन में आज 21 जून 2025 को 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शासकीय महाविद्यालय मड़वास में योग का कार्यक्रम उल्लास के साथ मनाया गया ।कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.आई.पी.प्रजापति जी के द्वारा योग दिवस के अवसर पर विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम के माध्यम से छात्रों को नियमितरूप से योग के माध्यम से स्वस्थ जीवन शैली को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया । कार्यक्रम समन्वयक डॉ. रामधारी जायसवाल ने योग के महत्व के बारे में बताया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में धीरज नामदेव थे तो प्रयागदास साकेत जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में डॉ. कमलेश जायसवाल, संगीता मिश्रा डॉ. ज्योति रजक,डॉ लक्ष्मीकांत कुशवाहा,प्रो.प्रवीन कुमार प्रो.बाबा हरिनन्द डॉ. राजेश पटेल डॉ पंकज मिश्रा डॉ.संध्या वर्मा , अनिल केवट सहित महाविद्यालय के अतिथि विद्वान कर्मचारी एवं छात्र/ छात्राए उपस्थित थे।

योग जीवन में लाता है सकारात्मक परिवर्तन : सिद्धार्थ तिवारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शास. उच्च.माध्यमिक विद्यालय मझिगवां त्योथर में ग्यारहवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस गरिमा मय ढ़ंग से मनाया गया। जिसमें त्यौंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने लोगों के साथ योगाभ्यास किया।इस अवसर विधायक श्री तिवारी जी कहा कि आपके शरीर में मौजूद ये सात चक्र एनर्जी सेंटर सिर्फ आध्यात्मिक नहीं हैं, बल्कि ये आपके शरीर, मन और भावनाओं को ठीक रखने की चाबी भी हैं. चाहे आपने अभी नया-नया योग करना शुरू किया हो या लंबे समय से कर रहे हों, अगर आप इन चक्रों को समझते हैं और सही तरीके से उन्हें एक्टिवेट करते हैं, तो योग आपके शरीर पर और भी गहरा पॉजिटिव प्रभाव डालता है. चलिए जानते शरीर में मौजूद इन सातों चक्रों के बारे में और कैसे अलग-अलग योग आसन इन्हें एक्टिवेट करके आपकी सेहत को बेहतर बनाते हैं और उसे शांति और संतुलन की ओर ले जाते हैं. आपके शरीर में मौजूद ये सात चक्र एनर्जी सेंटर सिर्फ आध्यात्मिक नहीं हैं, बल्कि ये आपके शरीर, मन और भावनाओं को ठीक रखने की चाबी भी हैं. चाहे आपने अभी नया-नया योग करना शुरू किया हो या लंबे समय से कर रहे हों, अगर आप इन चक्रों को समझते हैं और सही तरीके से उन्हें एक्टिवेट करते हैं, तो योग आपके शरीर पर और भी गहरा पॉजिटिव प्रभाव डालता है।योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक अनुशासन है, जो मन, शरीर और आत्मा को जोड़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आज योग एक वैश्विक आंदोलन बन चुका है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है।

इस आयोजन में नागरिकों की उत्साही सह भागिता यह दर्शाती है कि हम सभी स्वस्थ भारत - सशक्त भारत के संकल्प में एकजुट हैं।"स्वस्थ तन, निर्मल मन जीवन का सच्चा धन है। नियमित योग से इंसान शारीरिक व मानसिक रूप स्वस्थ रहता है इस दौरान एसडीएम संजय जैन, मुख्यकार्यपालन अधिकारी प्रवीण जी, तहसीलदार राजेंद्र शुक्ला, बीईओ नागेश्वर शर्मा , बीएमओ चरण सिंह सहित पंडित चंद्रशेखर युवा उत्थान संगठन के सदस्य, ग्रामीण जन,सामाजिक कार्यकर्ता छात्र छात्रा सहित इलाके के ज्यादातर लोग योग दिवस पर सहभागी बने।

स्वामी विवेकानंद आवासीय योग शोध संस्थान में किया गया योगाभ्यास

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। स्वामी विवेकानंद आवासीय योग शोध संस्थान नागौद में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के शुभ अवसर पर " एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग " कार्यक्रम के तहत विभिन्न योगाभ्यास, योग गुरु एवं अध्यक्ष योग स्पोर्ट्स एसोसिएशन मध्य प्रदेश के द्वारा योग प्रोटोकॉल का पालन करते हुए विभिन्न प्रकार के सूक्ष्म व्यायाम , चालन क्रिया ,योगासन, प्राणायाम, ध्यान का अभ्यास करवाया गया , एवं योग प्राणायाम ध्यान का विस्तार से मानव के जीवन में पढ़ने वाले प्रभाव के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

स्वामी विवेकानंद स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल, नागौद में आज 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक भव्य और अत्यंत अनुशासित कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को योग के प्रति जागरूक करना और उन्हें एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था। सुबह 5.45 बजे विद्यालय प्रांगण में कार्यक्रम का शानदार शुभारंभ हुआ. सभी छात्र-छात्राएं योग की निर्धारित वेशभूषा में उपस्थित थे. योग गुरु श्री मनोज सिंह (अध्यक्ष मध्य प्रदेश योग एसोसिएशन)के कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से योग की विभिन्न मुद्राओं, प्राणायाम, और विभिन्न आसन क्रियाएं कीं. श्री सिंह ने योग के वैज्ञानिक महत्व, मानसिक शांति और शारीरिक लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला, जिससे सभी उपस्थित लोग अत्यधिक प्रभावित हुए। विद्यालय की संचालिका, शशि सिंह , ने अपने संबोधन में कहा, "योग भारतीय संस्कृति का गौरव है. यह केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मन, आत्मा और शरीर के बीच संतुलन का माध्यम है. हमें इसे अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाना चाहिए." उनके प्रेरणादायक विचारों ने सभी में योग के प्रति और अधिक श्रद्धा और उत्साह का संचार किया. प्राचार्य संजीव कुमार श्रीवास्तव ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि, "स्वामी विवेकानंद जी ने भी योग के महत्व को पूरी दुनिया में प्रचारित किया था. हमारा विद्यालय उनके सिद्धांतों पर चलकर विद्यार्थियों को न केवल शिक्षा बल्कि स्वास्थ्य और नैतिकता के मार्ग पर भी अग्रसर करता है." विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं के छात्र-छात्राओं ने एक रंग-बिरंगे मंच पर वृक्षासन, ताड़ासन, भुजंगासन, त्रिकोणासन, पवनमुक्तासन जैसे विविध योग आसनों का मनमोहक प्रदर्शन किया. मंच की आकर्षक साज-सज्जा, मधुर संगीत और विद्यार्थियों के बेहतरीन समन्वय ने सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. कार्यक्रम का सबसे आकर्षक भाग सामूहिक योगाभ्यास था, जिसमें सैकड़ों बच्चों ने एक साथ योगाभ्यास किया, जो देखने लायक था. कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित लोगों द्वारा गहन ध्यान और "योग करें, निरोग रहें" के संकल्प के साथ हुआ. अंत में, विद्यालय परिवार की ओर से धन्यवाद किया गया, जिसमें सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और विशेष रूप से योग गुरु श्री मनोज सिंह के अमूल्य योगदान की सराहना की गई. यह आयोजन निश्चित रूप से स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल में एक सफल और प्रेरणादायक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह के रूप में यादगार बन गया.

अमित सिंह को मिला रहा युवाओं का जोरदार समर्थन :प्रभाकर पटेल

मीडिया ऑडीटर, जवा (निप्र)। मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस संगठनात्मक चुनाव के प्ररिपेक्ष में जिला अध्यक्ष रीवा युवा कांग्रेस के प्रत्याशी अमित सिंह मोहित भैया सरपंच ग्राम पंचायत सितलहा को पूरे रीवा जिले में युवाओं का व्यापक स्तर पर मिल रहा है, जन समर्थन। रीवा जिले के 6 विधानसभा में अमित सिंह और उनकी टीम सक्रिय है। बड़े बुजुर्गों एवं अपने युवा साथियों का प्यार स्नेह मिल रहा है। अमित सिंह ने कहा है मैंने अपने पिता चक्रधर सिंह जवा से संघर्ष, निष्ठा, ईमानदारी, जन सेवा, पार्टी के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने का हुनर सीखा हूं। सितलहा ग्राम पंचायत से ऐतिहासिक वोट से जीतने के उपरांत विकास एवं हितग्राहीमूलक कार्य ऐसे निष्ठा से कर रहे हैं। प्रत्येक मंगलवार पूरे ग्राम पंचायत के अमले के साथ जनसुनवाई का कार्यक्रम निर्धारित है जिसमें पंचायत की जनता को किसी भी कार्य के लिए भटकना नहीं पड़ता और यथा संभव कार्यों का तुरंत निदान का प्रयश होता है। युवा शक्ति के साथ समय-समय पर अनेक विशाल जन आंदोलन भी जन समस्याओं को लेकर कर चुके हैं।

विचार

सदियों पुराना है भारत में योग का इतिहास

दुनियाभर के 170 से भी ज्यादा देश प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाते हैं और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखे गए प्रस्ताव के जवाब में 11 दिसंबर 2014 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना की थी और वैश्विक स्तर पर पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था। इस वर्ष पूरी दुनिया 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम के साथ 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। प्रतिवर्ष यह दिवस मनाने का उद्देश्य योग को एक ऐसे आंदोलन के रूप में बढ़ावा देना है, जो व्यक्ति की तन्यकता को उन्नत करता है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए कल्याण को बढ़ावा देता है। वैसे तो योग को विश्व स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सतत प्रयासों के चलते वर्ष 2015 में अपनाया गया था किंतु भारत में योग का इतिहास सदियों पुराना है। माना जाता रहा है कि पृथ्वी पर सभ्यता की शुरुआत से ही योग किया जा रहा है लेकिन साक्ष्यों की बात करें तो योग करीब पांच हजार वर्ष पुरानी भारतीय परंपरा है। करीब 2700 ईसा पूर्व वैदिक काल में और उसके बाद पतंजलि काल तक योग की मौजूदगी के ऐतिहासिक प्रमाण मिलते हैं। महर्षि पतंजलि ने अभ्यास तथा वैराग्य द्वारा मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करने को ही योग बताया था। हिंदू धर्म शास्त्रों में भी योग का व्यापक उल्लेख मिलता है। विष्णु पुराण में कहा गया है कि जीवात्मा तथा परमात्मा का पूर्णतया मिलन ही अद्वेतानुभूति योग कहलाता है। इसी प्रकार भगवद्गीता बोध में वर्णित है कि दुःख-सुख, पाप-पुण्य, शत्रु-मित्र, शीत-उष्ण आदि द्वंदों से अतीतय मुक्त होकर सर्वत्र समभाव से व्यवहार करना ही योग है। भारत में योग को निरोगी रहने की करीब पांच हजार वर्ष पुरानी मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक पद्धति के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो भारतीयों की जीवनचर्या का अहम हिस्सा है। सही मायनों में योग भारत के पास प्रकृति प्रदत्त ऐसी अमूल्य धरोहर है, जिसका भारत सदियों से शारीरिक और मानसिक लाभ उठाता रहा है, लेकिन कालांतर में इस दुर्लभ धरोहर की अनदेखी का ही नतीजा है कि लोग तरह-तरह की बीमारियों के मकड़जाल में जकड़ते गए। वैसे तो स्वामी विवेकानंद ने भी अपने शिकागो सम्मेलन के भाषण में सम्पूर्ण विश्व को योग का संदेश दिया था लेकिन कुछ वर्षों पूर्व योग गुरु स्वामी रामदेव द्वारा योग विद्या को घर-घर तक पहुंचाने के बाद ही इसका व्यापक प्रचार-प्रसार संभव हो सका और आमजन योग की ओर आकर्षित होते गए। देखते ही देखते कई देशों में लोगों ने इसे अपनाना शुरू किया। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। योग न केवल कई गंभीर बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मददगार साबित होता है बल्कि मानसिक तनाव को खत्म कर आत्मिक शांति भी प्रदान करता है। दरअसल यह एक ऐसी साधना, ऐसी दवा है, जो बिना किसी लागत के शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों का इलाज करने में सक्षम है। यह मस्तिष्क की सक्रियता बढ़ाकर दिनभर शरीर को ऊर्जावान बनाए रखता है। यही कारण है कि अब युवा एरोबिक्स व जिम छोड़कर योग अपनाने लगे हैं। माना गया है कि योग तथा प्राणायाम से जीवनभर दवाओं से भी ठीक न होने मधुमेह रोग का भी इलाज संभव है।

ट्रंप और मुनीर को एक दूसरे से या चाहिए?

नीरज कुमार दुबे

दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति कहे जाने वाले अमेरिका की कूटनीति ने सदैव जैसे को तैसा नहीं, बल्कि जैसे से फायदा हो, वैसे को गले लगा लो की नीति अपनाई है। चाहे वह सऊदी अरब के राजाओं को हथियार बेचना हो, या पाकिस्तानी सैन्य तानाशाहों को मित्र बताना हो, सब कुछ स्वार्थ-सिद्धि के लिए किया गया। जहां तक पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर के अमेरिका में किये गये स्वागत की बात है तो यह इस ओर स्पष्ट इशारा है कि वॉशिंगटन अब फिर से रावलपिंडी की ओर झुकाव दिखा रहा है, खासकर ईरान और अफगानिस्तान जैसे जटिल मामलों में, जहां पाकिस्तान की भौगोलिक और सामरिक स्थिति अमेरिका के लिए फायदेमंद हो सकती है।

ट्रंप और मुनीर की मुलाकात से यह भी स्पष्ट है कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और वैश्विक शांति जैसे शब्द सिर्फ सजावट के लिए हैं, असल खेल रणनीतिक हित, निजी फायदे और चुनावी लाभ का है। देखा जाये तो यह संपूर्ण घटनाक्रम भारत के लिए सिर्फ राजनयिक चिंता नहीं, बल्कि रणनीतिक चेतावनी भी है। ट्रंप जैसे लेन-देन वाले राजनेता के साथ पाकिस्तान की बढ़ती निकटता और अमेरिका की नई प्राथमिकताएं इस बात की जरूरत पर बल दे रही हैं कि भारत को अपनी विदेश नीति और सुरक्षा रणनीति को नए सिरे से आंकना चाहिए। ट्रंप और मुनीर की मुलाकात के बारे में दोनों पक्षों की ओर से जो बयान जारी हुआ है और इस संबंध में जो मीडिया रिपोर्टें आई हैं उन सभी का विश्लेषण करने के बाद यह स्पष्ट हो जाता है कि यह भेंट सिर्फ एक प्रतीकात्मक नहीं थी बल्कि यह लेन-देन और कूटनीतिक सौदेबाज़ी का केंद्रबिंदु थी। सवाल यह है कि कौन, किससे, क्या चाहता है?

1. इस्लामिक स्टेट खुरासान के खिलाफ सहयोग- अमेरिकी सेंटकॉमप्रमुख की हालिया गवाही से संकेत मिला है कि अमेरिका और पाकिस्तान आतंकवाद के मुद्दे पर गहराई से सहयोग कर रहे हैं। ट्रंप का मकसद हो सकता है कि वह मुनीर से ड्रूस्य पर खुफिया और सैन्य सहयोग चाहते हों, खासकर अफगानिस्तान और ईरान सीमा क्षेत्रों में।

2. ईरान के खिलाफ सैन्य रणनीति- ईरान-इज़राइल तनाव और अमेरिका-ईरान टकराव की संभावना को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि-

-अमेरिका पाकिस्तान से बलूचिस्तान में लॉजिस्टिक बेस की अनुमति मांग रहा है।

-पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उपयोग ईरान पर संभावित अमेरिकी हमले के दौरान माँगा गया हो।

-अमेरिका, पाकिस्तान से ईरानी क्षेत्र में रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद की मांग कर सकता है।

-यहाँ तक कि ईरान में शासन परिवर्तन हेतु खुफिया सहयोग भी एजेंडे में हो सकता है।

3. चीन से पाकिस्तान को दूर करना- एक दीर्घकालिक अमेरिकी रणनीति यह हो सकती है कि पाकिस्तान को चीन के प्रभाव से दूर खींचा जाए। चूंकि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा और रक्षा सहयोग चीन को हिंद महासागर तक पहुँचाने में मदद करता है, इसलिए अमेरिका चाहता होगा कि पाकिस्तानी सेना की निष्ठा दोबारा वॉशिंगटन की ओर झुके।

अब दूसरा सवाल यह है कि मुनीर को ट्रंप से क्या चाहिए? इसके भी तीन जवाब हो सकते हैं।

1. आर्थिक राहत और निवेश- पाकिस्तान की बिगड़ती अर्थव्यवस्था को देखते हुए, मुनीर ट्रंप से सीधा अमेरिकी निवेश, व्यापारिक सौदे और वित्तीय सहायता की मांग कर सकते हैं- विशेषकर ट्रंप परिवार से जुड़े क्रिप्टो और इंफ्रास्ट्रक्चर डील्स के माध्यम से।

2. कश्मीर पर अमेरिकी मध्यस्थता- यह सबसे विवादास्पद और संवेदनशील मांग हो सकती है। मुनीर चाह सकते हैं कि-

-ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता की पेशकश करें।

-भारत को वार्ता की मेज पर लाने के लिए दबाव डाला जाए, खासकर ऑपरेशन सिंदूर के बाद के संघर्षविराम को मेड इन के रूप में पेश किया जाए।

3. भारत पर दबाव- सिंधु जल संधि और आतंकवाद का आरोप- अमेरिका से आग्रह किया जा सकता है कि वह भारत पर सिंधु जल संधि के पालन के लिए दबाव डाले।

-इसके अलावा, भारत पर आरोप लगाया जा सकता है कि वह बलूच विद्रोहियों और टीटीपी का समर्थन कर रहा है और पाकिस्तान चाहेगा कि अमेरिका इस पर भारत को कठघरे में खड़ा करे।

एक सवाल यह भी उठता है कि क्या मुनीर से मुलाकात ट्रंप की व्यक्तिगत राजनीति का हिस्सा है? इसके भी तीन जवाब हो सकते हैं-

-यह मुलाकात आने वाले अमेरिकी चुनावों को ध्यान में रखकर भी की जा सकती है-

-ट्रंप खुद को वैश्विक शांति-स्थापक की छवि में पेश कर सकते हैं, खासकर अगर उन्हें नोबेल पुरस्कार के लिए कोई प्रचार मिले।

-पाकिस्तानी-अमेरिकी समुदाय को साधने और मुस्लिम दुनिया में एक सुलहकर्ता नेता के रूप में खुद को पेश करने का अवसर भी ट्रंप को मिल सकता है।

हम आपको यह भी बता दें कि ट्रंप से नज़दीकी बनाने के लिए मुनीर काफी समय से लालायित थे और इसका मौका उन्हें इसी साल अप्रैल में मिल भी गया था। दरअसल, अप्रैल में एक अमेरिकी क्रिप्टो फर्म वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल ने पाकिस्तान की क्रिप्टो काउंसिल के साथ समझौता किया। यह फर्म ट्रंप परिवार से जुड़ी है और ट्रंप के बेटे एरिक और डोनाल्ड जूनियर तथा दामाद जेरेड कुशनर के पास इस कंपनी में 60त्न हिस्सेदारी है। प्रतिनिधिमंडल की इस्लामाबाद यात्रा के दौरान मुनीर ने उनका व्यक्तिगत रूप से स्वागत किया था और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ बैठक भी की। इसी कंपनी ने व्हाइट हाउस के गुप्त निमंत्रण का रास्ता तैयार किया, जिसे इमरान खान के समर्थकों के विरोध से बचने के लिए गोपनीय रखा गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान ने अमेरिकी कंपनियों को (कागज़ पर ही सही) दुर्लभ खनिज खनन के अधिकार, टेक्नोलॉजी प्रोजेक्ट्स और कई अन्य लाभकारी योजनाएं पेश की हैं जिनमें ट्रंप से जुड़े लोग निवेशक होंगे।

बहरहाल, इस मुलाकात के बारे में जारी किये गये बयान में पाकिस्तान सेना ने यह भी कहा है कि मुनीर ने राष्ट्रपति ट्रंप को पाकिस्तान आने का औपचारिक निमंत्रण दिया है, जिसे ट्रंप ने सकारात्मक रूप से स्वीकार किया है। देखा जाये तो ट्रंप-मुनीर मुलाकात पाकिस्तान के लिए कूटनीतिक जीत और भारत के लिए राजनीतिक और सामरिक दृष्टिकोण से सतर्कता की घंटी है, खासकर ईरान से जुड़ी किसी भविष्य की सैन्य कार्रवाई में अमेरिका द्वारा पाकिस्तानी आधारों के उपयोग की संभावना को देखते हुए। यहां एक बात और काबिलेगौर है कि अमेरिका भले ही खुद को लोकतंत्र, मानवाधिकार और उदार मूल्यों का पुरोधा कहे, लेकिन इतिहास गवाह है कि जब अपने हितों की बात आती है, तो वह तानाशाह हमारा हो, तो सब माफ़ है के सिद्धांत पर ही चलता है। इसी परिप्रेक्ष्य में देखें तो मुनीर का व्हाइट हाउस में भव्य स्वागत और डोनाल्ड ट्रंप की ओर से मुनीर की बेशुमार प्रशंसा कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

श्रम शक्ति के समक्ष बढ़ते तापमान का संकट

डॉ. आशीष वशिष्ठ

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन यानी आईएलओ की एक रिपोर्ट, %कार्यस्थल पर गर्मी- सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए निहितार्थ% में पाया गया है कि गर्मी एक मूक हत्यारा है जो दुनिया भर में बढ़ती संख्या में श्रमिकों के स्वास्थ्य और जीवन के लिए खतरा बन रही है। भारत मई से ही हीटवेव का सामना कर रहा है। उत्तर भारत के कई राज्यों में अधिकतम तापमान 50 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। ऐसा लग रहा है मानो आग बरस रही हो! मानवीय गतिविधियों के कारण होने वाली ग्लोबल वार्मिंग प्रति दशक 0.26 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ रही है। शहरों में जब लोग एसी के रिमोट से टेंपरेचर ऊपर-नीचे कर रहे होते हैं, उसी दौरान मजदूर कहीं खेत या किसी घर की दीवारों की ईंट उठाते हुए पसीना बहा रहे होते हैं।

इस धधकते, तपते मौसम में औद्योगिक, निर्माण से लेकर रेस्तराओं और गोदामों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए कार्य करना आसान नहीं है। हालांकि सबसे बड़ा संकट खुले में काम करने वाले श्रमिकों के लिए है। देश की करीब 90 फीसदी श्रम शक्ति अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़ी है। ज्यादातर मामलों में इन श्रमिकों को चिलचिलाती धूप, बारिश, आंधी-तूफान के बीच खुले में काम करना पड़ता है। उनके लिए न तो पर्याप्त सुविधाएं हैं और न ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम। ऐसे में इन किसानों, श्रमिकों को हर दिन अपना और अपने परिवार का पेट भरने के लिए खतरों से दो-चार होना पड़ता है।

थिंक टैंक काउंसिल ऑन एनर्जी, एन्वायरनमेंट एंड वाटर यानी सीईईडब्ल्यू ने मई 2025 में एक स्टडी प्रकाशित की, जिससे पता चलता है कि भारत के 57 फीसदी ज़िले, जिनमें देश की लगभग 76 फीसदी आबादी रहती है, मौजूदा समय में भयानक गर्मी की चपेट में हैं।

लेबरिंग थ्रू द क्लाइमेट क्राइसिस नाम से एक रिपोर्ट वर्कर्स कलेक्टिव फॉर क्लाइमेट जस्टिस - साउथ एशिया और ग्रीनपीस इंडिया ने तैयार की है जो असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की गर्मी से जुड़ी चिंताओं पर रोशनी डालती है। इसमें अनुमान लगाया गया है कि तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि से असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की आमदनी में 19 फीसदी की कमी आती है और

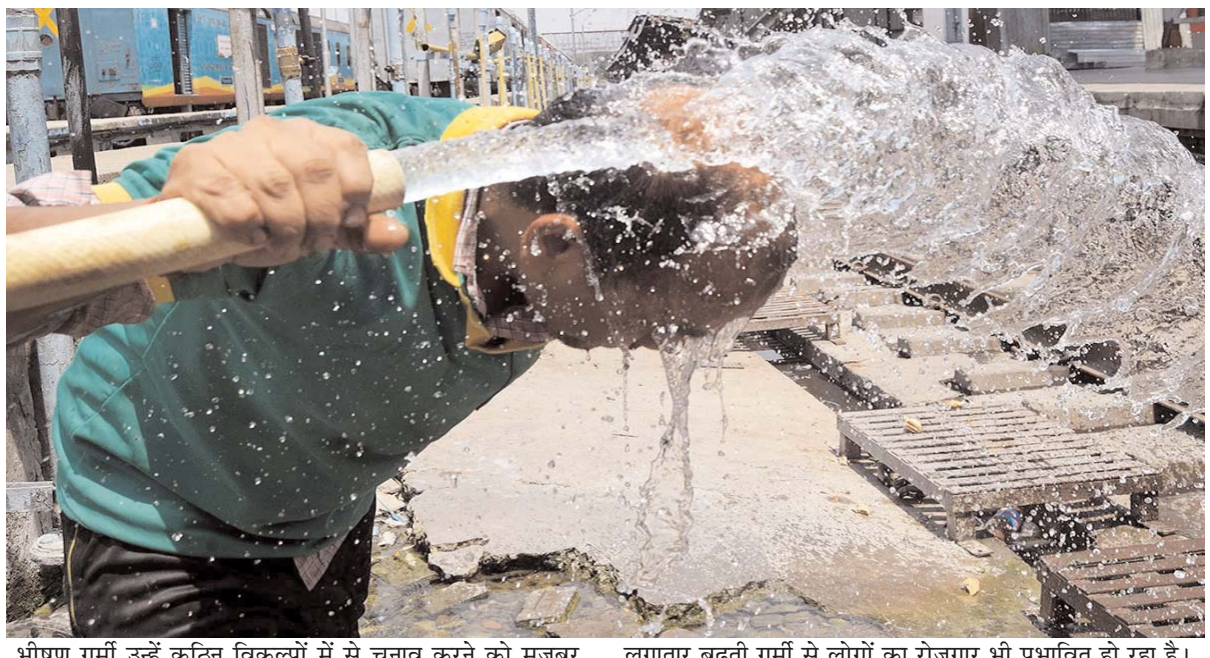

भीषण गर्मी उन्हें कठिन विकल्पों में से चुनाव करने को मजबूर करती है। यानी या तो वो खुद को सुरक्षित करने का जतन करें या आजीविका कमाएं। इस रिपोर्ट में ये भी रेखांकित किया गया है कि गर्मी सिर्फ़ आजीविका पर ही असर नहीं डालती बल्कि श्रमिकों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालती है। वन अर्थ द्वारा 2022 में 68 देशों में किए गए अध्ययन जिसका शीर्षक राइजिंग टेम्परेचर इरोड ह्यूमन स्लीप है, के अनुसार विश्व स्तर पर लोगों की नींद प्रभावित हुई, जिससे पता चला है कि गर्म तापमान की वजह से लोग कम नींद ले पाते हैं। बुजुर्ग, महिलाएं और कम आय वाले देशों के लोग इससे सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। 2099 तक, बढ़ता तापमान एक साल में प्रति व्यक्ति की 50-58 घंटे की नींद कम कर सकता है।

गर्मी की वजह से मजदूर दिन भर काम नहीं कर पा रहे हैं। लगातार बढ़ती गर्मी से लोगों का रोजगार भी प्रभावित हो रहा है। आइएलओ की 2019 की रिपोर्ट %वर्किंग ऑन ए वार्मर प्लेनेटड्ढद इम्पैक्ट ऑफ़ हीट स्ट्रेस ऑन लेबर प्रोडक्टिविटी एंड डिसेंट वर्क% में चेतावनी दी गई है कि भारत में हीट स्ट्रेस के कारण 2030 में 5.8 प्रतिशत काम के घंटे कम होने की उम्मीद है। अपनी बड़ी आबादी के चलते देश 2030 में 3.4 करोड़ लोगों को अपनी नौकरियां खोनी पड़ सकती हैं।

विश्व बैंक की 2022 की एक और रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि 2030 तक, पूरे भारत में सालाना 16 से 20 करोड़ से ज्यादा लोगों के घातक गर्मी की चपेट में आने की संभावना है। अध्ययन बताते हैं कि भारत में 2000-2004 और 2017-2021 के बीच भीषण गर्मी के कारण होने वाली मौतों में 55 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। गर्मी की चपेट में आने से 2021 में भारतीयों के बीच 167.2 बिलियन संभावित श्रम घंटे का नुकसान हुआ। इसकी वजह से देश की जीडीपी के लगभग 5.4 प्रतिशत के बराबर आय का नुकसान हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारतीय शहर जलवायु पैटर्न में होने वाली तब्दीलियों के प्रति तेजी से संवेदनशील होते जा रहे हैं, जिससे असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों को बड़ा खतरा है।

इस संदर्भ में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का हस्तक्षेप बेहद महत्वपूर्ण है। आयोग ने राज्यों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं कि वे कमजोर लोगों, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, बाहरी कामगारों, बुजुर्गों, बच्चों और बेघर लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल एहतियाती कदम उठाएं, जो पर्याप्त आश्रय और संसाधनों की कमी के कारण जोखिम में हैं। आयोग के अध्यक्ष जस्टिस वी. रामासुब्रह्मण्यन ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी द्वारा भीषण गर्मी और लू के कारण होने वाली मौतों की रपट का संज्ञान ले और राज्यों को निर्देश दे।

जलवायु परिवर्तन और बढ़ता तापमान एक ऐसी सच्चाई है जिसे आज चाह कर भी झुठलाया नहीं जा सकता। देखा जाए तो यह बढ़ता तापमान उन मेहनतकश लोगों का कहीं ज्यादा इम्तिहान ले रहा है जो कड़ी धूप और खुले आकाश तले पसीना बहाने को मजबूर हैं। इसकी पुष्टि अंतराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने अपनी नई रिपोर्ट 'इंश्योरिंग सेफ्टी एंड हेल्थ एट वर्क इन चेंजिंग क्लाइमेट' में भी की है। रिपोर्ट का कहना है कि अपने जीवन में काम के दौरान किसी न किसी मोड़ पर 241 करोड़ श्रमिकों को भीषण गर्मी का सामना करने को मजबूर होना पड़ेगा। इसका मतलब है कि दुनिया के 71 फीसदी श्रमिक या तो बढ़ते तापमान की वजह से गर्मी की मार झेल रहे हैं या उन्हें अपने काम के दौरान कभी न कभी इसका सामना करना पड़ेगा।

एनसीआरबी की रपट के मुताबिक, 2018 से 2022 के बीच गर्मी और लू के कारण देश में 3798 लोगों की मौतें हुईं। मानवाधिकार आयोग ने राज्यों को जारी पत्र में लिखा है कि गर्मी और लू की लहरों के प्रभाव को कम करने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण यानी एनडीएमए के दिशा-निर्देशों का प्रभावी तौर पर पालन करना चाहिए, ताकि संभावित नुकसान को रोका जा सके।

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सभी वर्ग के लोगों के किया सामूहिक योगाभ्यास

'योग करके न केवल तन, मन और शरीर को अच्छा कर सकते हैं बल्कि पूरे राष्ट्र को एक नया शक्ति का संचार प्रदान कर सकते हैं'

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आज पूरे देश के साथ साथ 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह और जोश के साथ जिले में भी मनाया गया। जिले के नगर पंचायत झगराखांड के अम्बेडकर भवन में जिला स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, स्कूल, कालेज, छात्रावास के बच्चों सहित सैकड़ों की संख्या में नगरवासियों ने योगाभ्यास किया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल शामिल हुये जिनके साथ जिले के तमाम अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों तथा उपस्थित लोगों ने योगाभ्यास करते हुए विभिन्न योग मुद्राओं का अभ्यास किया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा यादव, अध्यक्ष नगर पंचायत नई लेदरी विरेंद्र सिंह राणा, जिला सदस्य रामजीत लकडा, पूर्व अध्यक्ष अनिल केसरवानी, सरजू यादव, पुलिस अधीक्षक चन्द्रमोहन सिंह, वनमण्डलाधिकारी मनीष कश्यप, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम, अपर कलेक्टर अनिल सिदार, एसडीओपी ऋषभ जैन सहित जनप्रतिनिधियों, जिला स्तरीय अधिकारियों, कर्मचारियों व नागरिकों, छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर योगासन एवं प्राणायाम की विभिन्न मुद्राओं का एक साथ सामूहिक अभ्यास किया।

योगाभ्यास के उपरांत मुख्य अतिथि श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कि हम इतिहास के बारे में पढ़ेंगे तो हमें पता चलता है कि हमारे ऋषि-मुनियों ने योग को आगे बढ़ने का काम किया है। आज केवल भारत नहीं बल्कि पुरे विश्व अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाता है। 11 दिसम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि द्वारा आंतरराष्ट्रीय योग दिवस संकल्प का मसौदा प्रस्तुत किया गया। मसौदे को व्यापक समर्थन मिला जिसके अंतर्गत 177 देश इस मसौदे के प्रस्तावक बने जो संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतिहास में अभी तक हुए किसी भी संकल्प में सर्वाधिक प्रस्तावकों की संख्या है। 11 दिसम्बर 2014 को अमेरिका में स्थित संयुक्त राष्ट्र महासभा में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद सर्वप्रथम इसे 21 जून 2015 को पूरे विश्व में "आंतरराष्ट्रीय योग दिवस" (इंटरनेशनल डे ऑफ योगा) के नाम से मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र महासभा का यह बहुत बड़ा एक फैसला था।

मैं केवल योग की बात नहीं कर रहा हूं कि योग से केवल शरीर और मन प्रसन्न होता है यह योग पूरे भारत को जोड़ने के साथ ही पूरे विश्व को जोड़ने का काम कर रहा है। भारत पूरे विश्व का गुरु रहा है और आज फिर से आ सकता है। आजादी के बाद से भारत अपने हिसाब से चलने लगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में यह भारत फिर से विश्व गुरु बनने को चला है। यह वही भारत जब खसरा के टीका के लिए विदेशों से हाथ फैलाता पड़ता था आज भारत ने कोरोना के दौर में विदेशों को वैक्सीन देने का काम किया है। यह बदलता हुआ भारत है। योग करके न केवल आप अपने और शरीर को अच्छा कर सकते हैं बल्कि पूरे राष्ट्र को एक नया शक्ति का संचार कर सकते हैं। इसलिए लिए आज हम संकल्प लें कि हम अपने शरीर के लिए अपने देश के लिए, पृथ्वी के लिए, सनातन संस्कृति के लिए, भारत को शिखर पर बैठने के लिए, भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए वसुधैव कुटुंबकम की जो हमारी कहावत है इसको चरितार्थ करने के लिए हम सबको योग करना है। दुनिया में कोई दवा नहीं बना कि जो हमें जीवन भर तरोताजा रख सके। इसके लिए हमें योग करते रहना है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि रायपुर के आयुर्वेदिक कालेज कैंपस से लगे 10 एकड़ जमीन पर 100 बिस्तरों वाले योग और प्राकृतिक चिकित्सा अस्पताल के साथ-साथ केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान की आधारशिला रखी गई जिसका भूमि पूजन हो चुका है और एक से डेढ़ साल में बनकर तैयार हो जाएगा। इसके बाद उन्होंने उपस्थित लोगों को योग करने की शपथ दिलायी।

हरित योग थीम के साथ किया गया पौधरोपण- योगाभ्यास के पश्चात स्वास्थ्य मंत्री सहित उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों ने परिसर में हरित योग अंतर्गत वृक्षारोपण किया। आज सुबह सात बजे सभी उपस्थित अतिथियों के साथ योग प्रशिक्षक विश्वजीत पटेल, शिवनारायण सिंह तथा विवेक तिवारी के द्वारा बैठकर, खड़े होकर तथा लेटकर किए जाने वाले सूक्ष्म योग, अर्द्धचक्रासन, ताड़ासन, भुजंगासन, वज्रासन, त्रिकोणासन, उत्तानपाद आसन, कटिचक्रासन, अर्धकटिचक्रासन, उष्ट्रासन, मत्स्यासन, सहित विभिन्न प्रकार योग मुद्रा का अभ्यास कराया गया। साथ ही कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी जैसे विभिन्न प्राणायामों का सामूहिक अभ्यास कराया गया। खाद्य विभाग द्वारा योग करने वालों के लिए अंकुरित चना और गुड तथा आयुष विभाग द्वारा काड़ा प्रदाय किया गया। योग कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती विरांगना श्रीवास्तव तथा गौरव त्रिपाठी ने किया।

रीवा/सतना की खबरें

रीवा जिले में पिछले 24 घंटे से रूक-रूक कर हो रही है वर्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में मानसून ने दस्तक दे दी है। पिछले तीन दिनों से जिले के कई स्थानों में वर्षा हो रही है। पिछले 24 घंटे में रूक-रूक कर वर्षा का क्रम जारी है। जिले में 21 जून को 16.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दिन जिले में सर्वाधिक 27 मिलीमीटर वर्षा सेमरिया तथा 25 मिलीमीटर वर्षा सिरमौर तहसील में दर्ज की गयी। इस दिन तहसील हुजूर में 6.2 मिमी, रायपुर कर्चुलियान में 19 मिमी, त्योंथर में 19 मिमी, मनगवां में 10 मिमी तथा जवा में 22 मिमी वर्षा दर्ज की गई। जिले में एक जून से अब तक 59.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। इस संबंध में अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि अब तक तहसील हुजूर में 76.1 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 32.5 मिलीमीटर, गुढ़ में 55 मिलीमीटर, सिरमौर में 101.6 मिलीमीटर, त्योंथर में 24 मिलीमीटर, सेमरिया में 83 मिलीमीटर, मनगवां में 37 मिलीमीटर तथा जवा में 66 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज गयी। गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 7.28 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गयी थी। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 1044.6 मिलीमीटर है।

सायबर ठगों से सावधान रहें किसान, एडवायजरी जारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। किसानों के कल्याण और कृषि विकास की हितग्राही मूलक योजनाओं के नाम पर सायबर ठगों से सावधान करने के लिये कृषि अभियांत्रिकी द्वारा एडवायजरी जारी की गई है। संचालक अभियांत्रिकी ने बताया कि कस्टम हायरिंग सेंटर योजना का लाभ दिलाने के नाम पर स्वयं को विभागीय अधिकारी के रूप में अपना परिचय देकर सायबर ठगी करते हैं। ऐसे प्रकरण सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषक हितग्राही योजनाओं के अंतर्गत कस्टम हायरिंग योजना की प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी है। इस प्रक्रिया में किसी भी हितग्राही से योजना संबंधी संपर्क नहीं किया जाता है।

संचालक कृषि अभियांत्रिकी ने हितग्राहियों से अपेक्षा की है कि वे अनजान नंबरों से आने वाले कॉल, वॉट्सऐप कॉल, वीडियो कॉल, अन्य सोशल मीडिया से प्राप्त होने वाले कॉल नबंर जिनमें मुख्यतः 07056847570, 07088438459, 0756847570, 9520711020 हो तो उन्हें बिल्कुल भी न उठायें। अनजान व्यक्तियों पर विश्वास न करें, उनसे किसी भी प्रकार की सूचना व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। वह आपकी जानकारी अन्य माध्यम से प्राप्त कर आपको परेशान कर सकते हैं। यदि कोई व्यक्ति स्वयं को विभागीय अधिकारी बताकर/विभागीय अधिकारी के नाम से भी आपसे बात करे तो एकदम से उसकी बात पर विश्वास न करें। आपके साथ कोई सायबर अपराध घटित होता है तो उसकी शिकायत अपने नजदीकी पुलिस थाने में या डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट सायबर क्राइम डॉट इन (www.cybercrime.in) अथवा सायबर हेल्पलाइन के टोल फ्री नम्बर 1930 पर अवश्य करें।

सिरमौर और मनगवां विधायक ने किया योगाभ्यास

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विश्व योग दिवस पर सिरमौर में विधायक श्री दिव्यराज सिंह एवं लालगांव में मनगवां विधायक इंजी. नरेन्द्र प्रजापति ने सामूहिक योगाभ्यास किया। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधिगण व बड़ी संख्या में स्थानीयजन उपस्थित रहे। विधायक द्वय ने विश्व योग दिवस की सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग स्वस्थ शरीर और संतुलित मन का आधार है। योग एक ऐसा मार्ग जो जीवन में अनुशासन, शांति एवं ऊर्जा का संचार करता है। उन्होंने सभी से आध्यात्मिक उन्नयन, शारीरिक व मानसिक सशक्तिकरण के लिए योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की।

उप मुख्यमंत्री ने देवेन्द्र पाण्डेय बेधड़क के निधन पर व्यक्त किया शोक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि श्री देवेन्द्र पाण्डेय बेधड़क के आकस्मिक निधन पर शोक प्रकट किया। उप मुख्यमंत्री ने श्री बेधड़क के गृह ग्राम कठेरी पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिजनों को ढाढ़स बंधाया।

अवैध रेत खनन पर खनिज विभाग की बड़ी कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर के निर्देश पर जिला खनिज उड़नदस्ता दल जिला मनेन्द्रगढ़ -चिरमिरी -भरतपुर द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों मे भ्रमण कर रेत के अवैध उतखनन, परिवहन तथा भण्डारण पर लगातार कार्यवाही कर रही है। बता दें कि खनिज विभाग द्वारा 16 जून 2025 को चौनपुर, चिवटीमार क्षेत्र मे खनिज रेत के अवैध उतखनन कर परिवहन कर रहे 02 वाहनो को जप्त किया गया है। वहीं 19 जून 2025 को ग्राम सोनबरसा से 01 हाइवा वाहन को खनिज गिट्टी का परिवहन करते हुए जप्त कर थाना नागपुर में सुरक्षार्थ रखा गया है। 05 जून 2025 को ग्राम पंचायत हरचोका रेत खदान से अवैध रूप रेत उतखनन कर रहे 1 जेसीबी मशीन और 01 हाइवा को जप्त किया गया है, 27 मई 2025 को ग्राम सेमरिया मे स्वीकृत रेत भण्डारण से 20 घन मीटर रेत जप्त किया जा कर खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 तक एवं छत्तीसगढ़ खनिज (खनन परिवहन तथा भण्डारण)नियम 2009 के तहत कार्यवाही किया गया है।

बता दें कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के गाइडलाइन अनुसार पूरे राज्य में 10 जून से 15 अक्टुबर तक रेत खदानों से रेत खनन कार्य पूर्णतः बंद किया जाना होता है एवं रेत की आपूर्ति रेत भण्डारणों से किया जाना है। जिले में वर्तमान में रेत भण्डारण से रेत आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। इस प्रकार की कार्यवाही खनिज उड़नदस्ता दल के द्वारा निरंतर जारी रहेगी।

चिरमिरी-मनेंद्रगढ़ साजा पहाड़ सड़क चौड़ीकरण कार्य का भूमिपूजन संपन्न

4056.64 लाख की लागत से बनेगी 17.40 किमी सड़क, दो दशक पुरानी मांग पर लगी अंतिम मुहर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। चिरमिरी और मनेंद्रगढ़ के बीच बहुप्रतीक्षित साजा पहाड़ मार्ग के चौड़ीकरण और उन्नयन कार्य का सपना आखिरकार साकार होने की दिशा में अग्रसर हो गया है। वर्षों की प्रतीक्षा, संघर्ष और जनभावनाओं के सम्मान में 21 जून को इस महत्वाकांक्षी परियोजना का भूमिपूजन समारोह मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के केराडोल पोड़ी, चिरमिरी में भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल रहे, जिनके अथक प्रयासों से यह ऐतिहासिक कार्य धरातल पर उतर सका। लोक निर्माण विभाग संभाग मनेंद्रगढ़ द्वारा स्वीकृत इस परियोजना के अंतर्गत 4056.64 लाख रुपये की लागत से 17.40 किमी लंबे इस मार्ग का चौड़ीकरण और उन्नयन किया जाएगा। इस अवसर पर नगर निगम के महापौर, जनपद प्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, वरिष्ठ नागरिक, अधिकारीगण और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनता की उपस्थिति ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया।

करीब दो दशक से चिरमिरी और मनेंद्रगढ़ के नागरिक इस सड़क के समुचित निर्माण की मांग कर रहे थे, किंतु राजनीतिक अस्थिरता और इच्छाशक्ति के अभाव के कारण यह परियोजना वर्षों तक अधूरी पड़ी रही। अपने पूर्व कार्यकाल में विधायक रहते हुए श्याम बिहारी जायसवाल ने इस मार्ग पर डामरीकरण का कार्य प्रारंभ कराया था, लेकिन सत्ता परिवर्तन के कारण चौड़ीकरण कार्य मात्र 4 से 5 किमी तक ही सीमित रह गया। कांग्रेस शासनकाल के दौरान यह मुद्दा दरकिनार होता रहा, परंतु 2023 में भाजपा सरकार के पुनः गठन और श्याम बिहारी जायसवाल के पुनः विधायक निर्वाचित होने के बाद इस अधूरी परियोजना को फिर से प्राथमिकता में लेते हुए करोड़ों की राशि स्वीकृत कराई गई। यह सड़क केवल दो शहरों को जोड़ने का कार्य नहीं करेगी, बल्कि यह व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन की दृष्टि से भी एक नई गति प्रदान करेगी। पहले जहां छोटा नागपुर होकर करीब 36 किमी की कठिन और असुरक्षित दूरी तय करनी पड़ती थी, वहीं अब यह डबल लेन सड़क दोनों शहरों को केवल दूरी में ही नहीं, बल्कि समय और सुविधा के स्तर पर भी करीब लाएगी। यह मार्ग रात्रिकालीन यातायात को भी सुरक्षित बनाएगा और आकस्मिक दुर्घटनाओं की आशंका को कम करेगा। सड़क निर्माण के बाद आसपास के दर्जनों गांवों को भी सीधा लाभ मिलेगा। लोग बेहतर बाजार, अस्पताल, स्कूल और कार्यालय तक अब अधिक सहजता से पहुंच सकेंगे। व्यापारियों का कहना है कि इससे माल ढुलाई में समय और लागत दोनों की बचत होगी, जिससे क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियाँ तेज़ होंगी।

ग्रामोदय सामूहिक योग कार्यक्रम में बना सहभागी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं ने कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा के नेतृत्व में योगाभ्यास, आसन, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, संकल्प आदि गतिविधियां संपन्न हुई। विज्ञान भारती के प्रांत अध्यक्ष और पूर्व कुलपति प्रो एसपी गौतम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। अध्यक्षता कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा ने की। इस मौके पर डॉ. एसपी गौतम ने योग के वैज्ञानिक महत्व पर प्रकाश डाला। कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा ने कहा कि योग केवल आसन नहीं, एक जीवन पद्धति है। योग आधुनिक जीवन की व्यस्तता, तनाव, मानसिक और पर्यावरणीय प्रदूषण से लड़ने का सबसे प्रभावी और प्राकृतिक उपाय है। उन्होंने कहा कि कोरोना की वैश्विक महामारी ने जब पूरी दुनिया को घरों में कैद कर दिया था, तब भारत ने दुनिया को बताया कि "घर में रहो, लेकिन योग करते रहो।"

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 की थीम के महत्व को रेखांकित करते हुए कुलगुरु प्रो मिश्रा ने कहा कि "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य" हमें याद दिलाती है कि व्यक्ति, समाज और धरती का स्वास्थ्य परस्पर जुड़े हैं। हमारी परंपरा "वसुधैव कुटुम्बकम" की रही है और योग वह सूत्र है, जो इस कुटुंब को जोड़ता है। उन्होंने बताया कि भारत र% राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख ने वर्षों पूर्व 'आजीवन आरोग्य' का मंत्र दिया। उन्होंने योग, आयुर्वेद और ग्रामीण जीवन के संतुलन को भारत की आत्मनिर्भरता का आधार बताया। आज जब हम मॉडल विलेज और वेलनेस सेंटर की बात कर रहे हैं, तो हमें याद रखना चाहिए कि नानाजी ने इन विचारों की नींव दशकों पहले रख दी थी। चित्रकूट आध्यात्म की राजधानी तो है ही, आरोग्य की राजधानी भी होगा यह यहां दिख रहा है। प्रो मिश्रा ने विद्यार्थियों का आवाहन करते हुए कहा कि योग केवल एक दिवस की गतिविधि न बनें, वरन यह हमारे जीवन का अभ्यास बने, संगठित चेतना ही भारत का भविष्य है और योग उसका पथ है। उन्होंने प्रभु कामतानाथ से सभी के निरोगी काया की प्रार्थना की।

कार्यक्रम का प्रारंभ विवेकानंद सभागार में स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। योग कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ. ललित कुमार सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन पृष्ठभूमि और उद्देश्य पर प्रकाश डाला। योगाभ्यास गतिविधियां का अनुशासन निर्देशन डॉ. विनोद कुमार सिंह, डॉ शिव शंकर सिंह, सुशील मिश्रा आदि ने किया। अग्रसर प्रस्तुति योग शिक्षक डॉ अशोक दुबे और दो छात्र-छात्राओं ने की। आभार प्रदर्शन प्रो नंद लाल मिश्रा ने किया। इसके पूर्व ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा, कुलसचिव प्रो आर सी त्रिपाठी, संकायों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, उप कुल सचिव सहित शिक्षकों, अधिकारियों-कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं ने दीन दयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन के संयोजन में सुरेंद्र पाल ग्रामोदय विद्यालय, दीन दयाल शोध संस्थान में आयोजित चित्रकूट के सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में पूर्ण अनुशासन और उत्साह पूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा ने उपस्थित जन समूह को अपना मार्गदर्शक उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में चित्रकूट के पूज्य संत महात्मा, सामाजिक और शैक्षणिक संस्थाएं, चित्रकूट नगरवासी मौजूद रहे।

प्रो. उमा परौहा टेबल टेनिस स्पर्धा का शुभारंभ

रिचा,आयरा, अरिशा, ऋतिक, दुर्गेश, शहनवाज, रोजी क्वाटर फाइनल में पहुचे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्थानीय मेडीकल कालेज रीवा में खेली जा रही 28वीं प्रो0 उमा परौहा टेबल टेनिस स्पर्धा का उदघाटन डॉ0 रामभूषण मिश्रा संचालक शारीरिक शिक्षा विभाग ए.पी.एस. रीवा के मुख्य आतिथ्य में संभागीय खेल अधिकारी एम.के. धौलपुरे की अध्यक्षता एवं सिविल सर्विसेस के राष्ट्रीय फुटबाल खिलाड़ी मोहनलाल शुक्ला की विशिष्ठ आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। स्वागत उदबोधन डॉ0 के0के0 परौहा, प्रतिवेदन वाचन डॉ0 विनोद तिवारी एवं संचालन स्पर्धा संयोजक असद खान ने किया, डॉ0 रामभूषण ने कहा खेल मष्तिष्क को एकाग्र कर शरीर को चुस्त-दुरूस्त रखता है। वही एम.के. धौलपुरे ने कहा कि संघर्ष जीवन को तराशता है। मोहन लाल ने निरंतर खेल जारी रखने का आहवान किया। इस स्पर्धा में रीवा, सतना, शहडोल, पन्ना, धनपुरी, दमोह आदि जगहों से बालक बालिका महिला पुरूष भाग ले रहे है। प्रथम दिन रीवा की डॉ0 ऋचा सिंह, यशराज गोस्वामी, नंद किशोर नंदा, ऋतिक सिंह, दुर्गेश, शहनवाज खान आदि क्वाटर फाइनल में प्रवेश किया। वही कन्या वर्ग में अरीशा खान, आयरा खान, रोजी मंसूरी, कशिश मंसूरी अग्रिम चक्र में प्रवेश किया। मैच का समापन एवं पुरूष्कार वितरण 22 जून को सायं 04:00 बजे होगा, जिसकी मुख्य अतिथि आरती सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक होगी। अध्यक्षता मेडीकल कालेज के डीन डॉ0 प्रियंक शर्मा करेगे एवं विशिष्ठ अतिथि कार्डियोलाजिस्ट डॉ0 व्ही.डी. त्रिपाठी होगे।

अहमदाबाद हादसा-एअर इंडिया के 3 अफसरों को हटाने का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। 12 जून की दोपहर एअर इंडिया का अहमदाबाद से लंदन जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। हादसे में 270 लोगों की मौत हुई है। अहमदाबाद हादसे के बाद डीजीसीए ने शनिवार को एअर इंडिया को 3 अफसरों को हटाने का आदेश दिया। इनमें डिविजिनल वाइस प्रेसिडेंट चूड़ा सिंह, क्रू शेड्यूलिंग करने वाली चीफ मैनेजर पिंकी मित्तल और क्रू शेड्यूलिंग की प्लॉनिंग से जुड़ी पायल अरोड़ा शामिल हैं।

तीनों अफसरों के खिलाफ यह कार्रवाई एविएशन सेफ्टी प्रोटोकॉल के गंभीर उल्लंघन को लेकर की गई। ष्टत्रष्ट ने एअर इंडिया को तत्काल प्रभाव से इन्हें क्रू शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग से जुड़े रोल से हटाने का आदेश दिया।

उधर, एअर इंडिया ने कहा कि डीजीसीए के आदेश को लागू कर दिया गया है। कंपनी के चीफ ऑपरेशन्स ऑफिसर अगले आदेश तक इंट्रीग्रेटेड ऑपरेशन्स कंट्रोल सेंटर की सीधी निगरानी करेंगे। न्यूज एजेंसी डीजीसीए के मुताबिक, आदेश 20 जून को दिया गया था, जो आज सामने आया।

यह फैसला अहमदाबाद में 12 जून को हुए प्लेन क्रैश हादसे के बाद लिया गया। लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई -171 उड़ान भरने के तुरंत बाद क्रैश हो गई थी। प्लेन मेडिकल कॉलेज हॉस्टल से टकराया था, जिससे यात्रियों समेत कुल 270 लोग मारे गए थे।

लगेज बिना पटना पहुंचीं एअर इंडिया की 2 फ्लाइट

पटना (एजेंसी)। शनिवार को पटना पहुंची एअर इंडिया की 2 फ्लाइट यात्रियों का लगेज लिए बिना ही लैंड हुईं। बेंगलुरु से पटना पहुंची फ्लाइट आईएक्स2936 180 यात्रियों का सामान लिए बिना पटना पहुंची। इसी तरह चेन्नई से पटना पहुंची फ्लाइट आईएक्स1634 भी यात्रियों का लगेज छोड़ आई। इसके बाद से एयरपोर्ट पर यात्रियों का हंगामा शुरू हो गया। एअर इंडिया ने यात्रियों से कहा कि वजन ज्यादा हो गया था, इसलिए लगेज नहीं ला पाए। यात्रियों से एअर इंडिया की तरफ से कहा गया कि पटना एयरपोर्ट का रनवे छोटा है और बारिश हो रही थी। इसलिए हैवी सामान नहीं आ सका है।

किराए के मकान में नकली नोट छापने की फैक्ट्री

जबलपुर। जबलपुर पुलिस ने करीब 18 लाख रुपए के नकली नोट खपाने की साजिश रच रहे गिरोह का खुलासा किया है। इस गिरोह का मास्टरमाइंड ऋतुराज विश्वकर्मा किराए के मकान में ही नकली नोटों की छपाई का कारखाना चला रहा था। पुलिस ने मामले में अब तक 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक फरार है। गिरोह पूरे मध्य प्रदेश में जाली नोट खपाने की तैयारी में था, जिसमें उन्हें भारी कमीशन के बदले नकली नोट असली नोटों में बदलवाने का नेटवर्क खड़ा करना था।

प्रधानमंत्री मोदी ने विशाखापट्टनम में योग किया

नई दिल्ली/विशाखापत्तनम। दुनियाभर में शनिवार को 11वां योग दिवस मनाया जा रहा है। पीएम मोदी ने विशाखापट्टनम में 3 लाख लोगों और 40 देशों के राजनयिक के साथ योग किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि योग का मतलब होता है- जोड़ना। और ये देखना सुखद है कि कैसे योग ने पूरी दुनिया को जोड़ा है। मोदी ने कहा कि आज जब दुनिया में अशांति, तनाव और अस्थिरता बढ़ रही है, तो योग शांति की दिशा दिखाता है। यह पॉज बटन जैसा।

पीएम के साथ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी ष्टरू पवन कल्याण ने भी योग किया। इस बार की योग की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग है। इंडियन काउंसिल फॉर कल्चर रिलेशन्स के मुताबिक, 191 देशों में 1,300 जगहों पर 2,000 से ज्यादा योग कार्यक्रम हुए।

पीएम मोदी ने कहा- आज योग करोड़ों लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुका है। मुझे गर्व होता है जब मैं देखता हूं कि हमारे दिव्यांग साथी ब्रेल में योग शास्त्र पढ़ते हैं। वैज्ञानिक अंतरिक्ष में योग करते हैं। गांव-गांव में युवा साथी योग ओलिंपियाड में भाग लेते हैं।

2. योग सभी का है, सभी के लिए है

पीएम ने कहा कि अभी नेवी के जहाज में भी योगा कार्यक्रम चल रहा है। चाहे ओपेरा हाउस की सीढ़ियां हों, या एवरेस्ट की चोटियां, या समुंदर का विस्तार हो एक ही संदेश आता है कि योग सभी का है और सभी के लिए है।

3. योग उस पॉज बटन जैसा जो हमें सांस लेने देता है

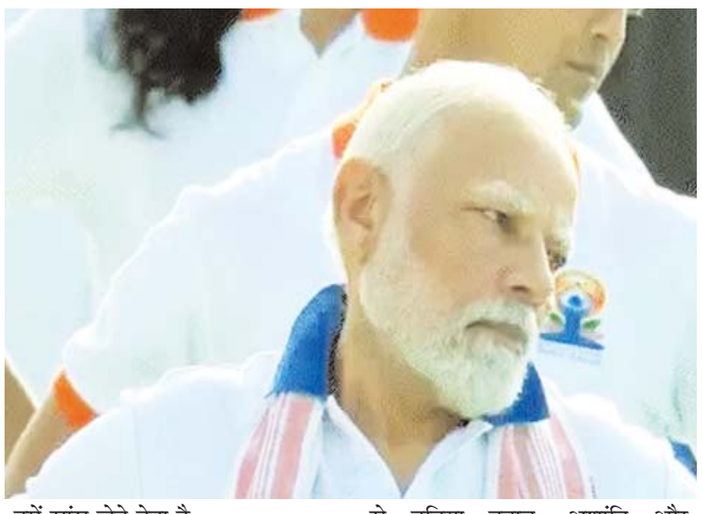

पीएमने कहा कि साथियों दुर्भाग्य से दुनिया तनाव, अशांति और अस्थिरता से गुजर रही है। कई क्षेत्रों में यह स्थितियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे समय में योग हमें शांति का रास्ता दिखाता है।

योग उस पॉज बटन की तरह है जिसकी इंसानियत को जरूरत है- ताकि हम रुक सकें, सांस ले सकें, संतुलन बना सकें और फिर से खुद को पूर्ण महसूस कर सकें।

4. मी टु वी का भाव भारत की आत्मा का साथ

पीएम ने कहा कि योग को सिर्फ पर्सनल प्रैक्टिस न बनाएं, बल्कि ग्लोबल पार्टनरशिप का माध्यम बनाएं। योग को लोकनीति का हिस्सा बनाएं। जब जनता लक्ष्य को थाम लेती है तो उस लक्ष्य की प्राप्ति से हमें कोई रोक नहीं पाता। आपके प्रयास यहां इस आयोजन में नजर आ रहे हैं। मी टु वी का भाव भारत की आत्मा का साथ है।

राहुल ने मेक इन इंडिया को असेंबल्ड इन इंडिया कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को दो स्किल्ड युवाओं शिवम और सैफ से मुलाकात की। इसका वीडियो उन्होंने एक्स पर शेयर किया। इसमें उन्होंने पीएम मोदी की महत्वाकांक्षी मेक इन इंडिया स्कीम पर सवाल उठाए। वीडियो पोस्ट करते हुए उन्होंने एक्स पर लिखा- मेक इन इंडिया स्कीम से देश में प्रोडक्शन बढ़ाने का दावा किया गया था, लेकिन मैन्युफैक्चरिंग रिकॉर्ड निचले स्तर पर है और बेरोजगारी सबसे ज्यादा है। 2014 से देश में मैन्युफैक्चरिंग 14 प्रतिशत घटी है और चीन से इम्पोर्ट दोगुना हुआ है। उन्होंने लिखा- मोदी जी ने समाधान नहीं, नारे लगाने की कला में महारत हासिल की है। सच्चाई यह है कि हम असेंबल करते हैं, इम्पोर्ट करते हैं, लेकिन मैन्युफैक्चरिंग नहीं करते। इससे चीन को फायदा होता है।

राहुल बोले- पीएम ने सरेंडर किया राहुल ने इलेक्ट्रॉनिक गैजेट रिपेयर करने वाले दो युवाओं से नई दिल्ली के नेहरू प्लेस में मुलाकात का वीडियो शेयर किया था। वीडियो में राहुल दोनों से उनके काम के बारे में जानकारी लेते नजर आ रहे हैं।

22 राज्यों में आज भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून तेज रफ्तार से उत्तर भारत में पहुंच गया है। शुक्रवार को उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के कुछ इलाकों में एंट्री कर ली है। अब केवल दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब में ही मानसून का पहुंचना बाकी है।

फिलहाल मानसून राजस्थान के 50त्न हिस्से को कवर कर चुका है। आज 30 जिलों में बारिश का येलो अलर्ट है। कुछ जिलों में तेज गर्मी पड़ रही है, शुक्रवार को श्रीगंगानगर में 42.8 डिग्री पारा रहा। मध्यप्रदेश के आखिरी बचे 2 जिले- भिंड और मऊगंज में भी मानसून शुक्रवार को पहुंच गया। उत्तर प्रदेश में मानसून ने दो दिन के अंदर लखनऊ समेत 56 जिलों को कवर कर लिया है। उत्तर प्रदेश के सिर्फ 19 जिले ऐसे हैं, जहां मानसून का एक्टिव होना बाकी है। आज मौसम विभाग ने पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

ऑपरेशन सिंधु- ईरान से 2 बैच में 407 भारतीय लौटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजराइल संघर्ष के बीच ऑपरेशन सिंधु के तहत शुक्रवार देर रात 290 भारतीय नागरिक दिल्ली लौटे। इनमें से ज्यादातर कश्मीर के छात्र हैं। इसके अलावा कुछ यात्री दिल्ली, हरियाणा, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल से भी हैं। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, अब तक 517 भारतीय नेशनल स्वदेश लौट चुके हैं। शुक्रवार देर रात 2 बैच में 407 भारतीय लौटे। देर रात 10:30 बजे की फ्लाइट में 190 कश्मीरी छात्रों समेत 290 और देर रात 3 बजे की फ्लाइट में 117 लोग थे। इससे पहले 19 जून को 110 छात्र आर्मेनिया और दोहा के रास्ते भारत पहुंचे थे। एक और फ्लाइट शनिवार शाम तक आ सकती है। ईरान से दिल्ली पहुंचे इन यात्रियों ने एयरपोर्ट पर %वन्दे मातरम% और %भारत माता की जय% के नारे लगाए। इस दौरान कुछ लोग भावुक भी हो गए। उनकी आंखों में आंसू

थे, तो कुछ ने जमीन पर माथा टेककर शुक्रिया भी अदा किया। तेहरान से नई दिल्ली के लिए विमान ने भरी उड़ान तेहरान के इमाम खोमैनी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से 290 भारतीय नागरिकों को लेकर माहान एयर के इस विमान ने (फ्लाइट नंबर 5071) भारतीय समयानुसार शुक्रवार शाम 6:30 बजे नई दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। यह विमान देर रात 11:30 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। ईरान से भारत पहुंचीं एलिया बतूल ने कहा, %मेरा परिवार बहुत परेशान था। यहां आकर हमें सुकून मिला। भारत सरकार का बहुत-बहुत धन्यवाद। हमें वहां कोई भी समस्या नहीं हुई, क्योंकि हमारे दूतावास ने हमारा बहुत साथ दिया।% सैयद मंसूर हुसैन ने कहा, %सभी ने भारत मां की सरजमीं पर आकर सजदा किया। भारत सरकार का बहुत धन्यवाद। मैं भारत से प्यार करता हूं।

चुनाव के फोटो-वीडियो 45 दिन बाद डिलीट कर दिए जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब चुनावों के दौरान खींची गई फोटो, सीसीटीवी फुटेज, वेबकास्टिंग और वीडियो रिकॉर्डिंग सिर्फ 45 दिनों तक ही सुरक्षित रखी जाएंगी। इसके बाद सारा डेटा डिलीट कर दिया जाएगा। चुनाव आयोग ने 30 मई को सभी राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अगर किसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव नतीजे को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जाती, तो 45 दिन बाद ये सारा डेटा नष्ट कर दिया जाए। यह फैसला फुटेज के दुरुपयोग और सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही भ्रामक जानकारियों को रोकने के लिए लिया है। ईडी का कहना है कि हाल ही में कुछ गैर-उम्मीदवारों ने चुनावी वीडियो को तोड़-मरोड़कर गलत नरेटिव फैलाने की कोशिश की, जिससे मतदाताओं में भ्रम की स्थिति पैदा हुई।

कांग्रेस ने आयोग के इस नियम का विरोध किया है। पार्टी ने कहा कि पहले एक साल तक इस डेटा को सेफ रखा जाता था, ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में कभी भी इसकी जांच हो सके। आयोग का यह नियम पूरी तरह से लोकतंत्र के खिलाफ है। इसे तुरंत वापस लेना चाहिए। इससे पहले 20 दिसंबर 2024 को केंद्र सरकार ने चुनाव नियम बदलकर पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी वेबकास्टिंग और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग को सार्वजनिक करने से रोक दिया था। आयोग बोला- फुटेज का यूज गलत नरेटिव के लिए होता था चुनाव आयोग ने कहा कि वोटिंग और मतगणना जैसे चुनावी चरणों की रिकॉर्डिंग का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। यह काम आंतरिक निगरानी और पारदर्शिता के लिए किया जाता है, लेकिन इन रिकार्डिंग्स का इस्तेमाल गलत नरेटिव के लिए भी किया जाता रहा है। इसलिए इन्हें लंबे समय तक रखने का कोई औचित्य नहीं रह गया है। अब तक चुनाव से जुड़ी रिकॉर्डिंग एक साल तक संभाल कर रखी जाती थी, ताकि जरूरत पड़ने पर कोई कानूनी जांच हो सके।

चलती ट्रेन में सीट विवाद पर युवक की पीट-पीटकर हत्या

बागपत (एजेंसी)। यूपी के बागपत में चलती ट्रेन में सीट के विवाद में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। युवक सहारनपुर-दिल्ली पैसेंजर ट्रेन से बागपत आ रहा था। फखरपुर स्टेशन के पास सीट पर बैठने को लेकर उसका विवाद हो गया। इसके बाद 15 से 20 लोगों ने मिलकर उसे लात-घूंसों और बेल्ट से पीटा। बागपत से 10 किमी पहले खेकड़ा स्टेशन पर ट्रेन रुकी तो आरोपी उतरकर भाग गए। ट्रेन में सवार युवक के एक साथी ने जीआरपी और परिवार को सूचना दी। दीपक को ट्रेन से उतारकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।दीपक दिल्ली में नौकरी करता था और हर शुक्रवार दिल्ली से बागपत अपने घर आता था। घटना शुक्रवार की है, लेकिन इसका वीडियो शनिवार को सामने आया है। 2 दिन पहले झांसी में वंदे भारत एक्सप्रेस में भी मारपीट हुई थी। दीपक ड्यूटी के बाद घर लौट रहा था बागपत के खेकड़ा कस्बे के मोहल्ला अहिरान निवासी ऋषि यादव का बेटा दीपक (39) दिल्ली की एक फैक्ट्री में नौकरी करता था। शुक्रवार देर रात वह ड्यूटी के बाद दिल्ली-सहारनपुर पैसेंजर ट्रेन से घर लौट रहा था। फखरपुर स्टेशन के पास दीपक का सीट पर बैठने को लेकर कुछ लोकल युवकों से विवाद हो गया। इसके बाद 15 से 20 लोगों ने उस पर लात-घूंसों और बेल्टों से हमला कर दिया। ट्रेन में सवार कुछ यात्रियों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन आरोपियों ने उन्हें धक्का देकर हटा दिया। आरोपियों ने फखरपुर से खेकड़ा स्टेशन तक, यानी करीब 10 किलोमीटर तक दीपक को पीटा।ट्रेन में मौजूद एक यात्री दीपक को पहचानता था। उसने दीपक के घरवालों को फोन करके सूचना दी। दीपक परिवार का इकलौता लड़का था। 12 साल पहले दीपक की सावित्री से शादी हुई थी। दीपक के दो बच्चे हैं।

सोनिया बोलीं-ईरान पुराना दोस्त, भारत की चुप्पी परेशान कर रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की है। उन्होंने द हिंदू में एक आर्टिकल में लिखा कि इजराइल खुद परमाणु शक्ति है, लेकिन ईरान को परमाणु हथियार न होने पर भी टारगेट किया जा रहा है। ये इजराइल का दोहरा मापदंड है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान भारत का पुराना दोस्त रहा है और ऐसे हालात में भारत की चुप्पी परेशान करने वाली है। गाजा में हो रही तबाही और ईरान में हो रहे हमलों को लेकर भारत को स्पष्ट, जिम्मेदार और मजबूत आवाज में बोलना चाहिए। अभी देर नहीं हुई है। सोनिया गांधी ने कहा कि 13 जून 2025 को इजराइल ने ईरान की संप्रभुता का उल्लंघन करते हुए एकतरफा हमला किया, जो गैरकानूनी और क्षेत्रीय शांति के लिए खतरनाक है। कांग्रेस ईरान में हो रहे इन हमलों की निंदा करती है, जिनसे क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर गंभीर अस्थिरता और टकराव बढ़ सकता है।

गाजा पर हमले की तरह यह इजराइली ऑपरेशन भी क्रूर और एकतरफा है, जो आम नागरिकों की जान और क्षेत्रीय स्थिरता को पूरी तरह नजरअंदाज करते हुए चलाया गया। ऐसे कदम सिर्फ अस्थिरता को बढ़ाते हैं और आगे आने वाले समय में बड़े संघर्ष के बीज बोते हैं। यह हमला उस समय हुआ जब ईरान-अमेरिका के बीच कूटनीतिक बातचीत जारी थी और इसके अच्छे संकेत भी मिल रहे थे। इस साल पांच दौर की

बातचीत हो चुकी है और जून में छठे दौर की बातचीत होनी थी। मार्च में ही अमेरिका के नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड ने संसद में बताया था कि ईरान परमाणु हथियार बनाने पर काम नहीं कर रहा है।2003 में इस प्रोग्राम को सस्पेंड किए जाने के बाद से अब तक ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई ने इसे दोबारा शुरू करने की अनुमति भी नहीं दी है।

2. नेतन्याहू की लीडरशिप में इजराइल ने आतंक बढ़ाने का काम किया

सोनिया ने कहा कि इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लीडरशिप में इजराइल ने लगातार शांति भंग करने और आतंक को बढ़ावा देने का काम किया है। ये बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

उनकी सरकार लगातार अवैध सेटलमेंट को विस्तार दे रही है, अति-राष्ट्रवादी लोगों के साथ मिलकर काम कर रही है

और टू-स्टेट सॉल्यूशन को पूरी तरह नकार रही है। इससे न सिर्फ फिलिस्तीनी लोगों को तकलीफ बढ़ी, बल्कि पूरा इलाका ही लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष की तरफ धकेल दिया गया।

इतिहास हमें बताता है कि नेतन्याहू ने ही उस नफरत को हवा दी थी, जिसके चलते 1995 में इजराइल के प्रधानमंत्री यित्झाक राबिन की हत्या हुई थी और फिलिस्तीनियों और इजराइलियों के बीच शांति की सबसे बड़ी उम्मीद खत्म हो गई थी। नेतन्याहू का ट्रैक रिकॉर्ड बताता है कि वे बातचीत नहीं चाहते, बल्कि मामले को बढ़ाना चाहते हैं।

उमर बोले- ट्रम्प को सिर्फ अपनी परवाह

श्रीनगर(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा- अमेरिकी राष्ट्रपति अपनी मर्जी के मालिक हैं। हम उन्हें नहीं बता सकते कि वे किसे लंच पर बुलाएं और किसे नहीं।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका तभी तक अन्य देशों का दोस्त है जब तक उसका फायदा हो। वह अपने फायदे के लिए कुछ भी कर सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिफ मुनीर को व्हाइट हाउस में लंच के लिए बुलाया था। इस पर मीडिया ने उमर से सवाल किया तो उन्होंने कहा- अमेरिकी राष्ट्रपति अपनी मर्जी के मालिक हैं। हम उन्हें नहीं बता सकते कि वे किसे लंच पर बुलाएं और किसे नहीं।

उमर ने कहा- यह अलग बात है कि हम सोचते थे कि अमेरिकी राष्ट्रपति हमारे (भारत के) बहुत खास दोस्त हैं और वे हमारी दोस्ती का ख्याल रखेंगे, लेकिन जाहिर है अमेरिका वही करता है जिससे उसे फायदा हो। उन्हें किसी अन्य देश की परवाह नहीं है।

ईरान-इजराइल युद्ध पर उमर ने कहा कि यह बंद होना

चाहिए और बातचीत के जरिए इसका समाधान होना चाहिए। उन्होंने कहा, यह बमबारी शुरू नहीं होनी चाहिए थी। जब अमेरिकी खुफिया विभाग के चीफ से पूछा गया था कि क्या ईरान के पास परमाणु बम है, तो उन्होंने कहा था कि उन्हें नहीं लगता कि ईरान बम बना सकता है, लेकिन इजराइल ने कुछ महीनों के अंदर ही ईरान पर हमला कर दिया।

ईरान में पढ़ रहे कश्मीरी स्टूडेंट्स के बारे में उन्होंने कहा कि हम उन्हें रातों-रात वापस नहीं ला सकते। एयरपोर्ट और और बंदरगाह बंद हैं। हम पहले उन्हें सड़क के रास्ते उन शहरों में ला रहे हैं जहां बमबारी नहीं हुई है, फिर उन्हें आर्मेनिया के रास्ते वापस लाया जा रहा है। पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर बुधवार को ट्रम्प के साथ लंच करने व्हाइट हाउस पहुंचे थे। ट्रम्प ने 18 जून को व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर से बंद कमरे में मुलाकात की थी। दोनों ने कैबिनेट रूम में साथ लंच किया था। यह पहली बार था जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ की मेजबानी की।

व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने बताया था कि मुनीर ने ट्रम्प को मई में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने का क्रेडिट दिया है। उनके इस बयान के सम्मान में ट्रम्प ने उन्हें लंच पर बुलाया था।

ट्रम्प से उनकी मुलाकात से कुछ घंटे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति से 35 मिनट तक फोन पर बातचीत की थी। इस दौरान मोदी ने साफ कहा था कि 7 से 10 मई तक चले ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं के बीच बातचीत के बाद सीजफायर हुआ था। किसी बाहरी मध्यस्थता के माध्यम से नहीं।

संक्षिप्त समाचार

स्पोर्ट्स हर्निया के लिए सूर्यकुमार की हो सकती है सर्जरी

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव आजकल स्पोर्ट्स हर्निया के इलाज के लिए इंग्लैंड गये हुए हैं। सूर्यकुमार वहां विशेषज्ञ डॉक्टरों से सलाह के बाद सर्जरी भी करा सकते हैं। सूर्यकुमार यादव पिछले तीन महीने से स्पोर्ट्स हर्निया की समस्या से जूझ रहे थे। आईपीएल में लगातार यात्रा के चलते उनका दर्द काफी ज्यादा बढ़ गया था। एक रिपोर्ट के अनुसार वह पेट के निचले हिस्से में दाहिनी तरफ स्पोर्ट्स हर्निया से पीड़ित हैं। वहीं सूर्या की इस बीमारी को लेकर बीसीसीआई की ओर से कहा गया है कि टीम को अभी अगले 2 महीने तक कोई टी20 मैच या सीरीज नहीं खेलनी है। ऐसे में सूर्यकुमार के पास इलाज कराने के लिए ये सही समय है। इससे उन्हें बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब के बाद पूरी तरह से फिट होने के लिए पर्याप्त समय भी मिल जाएगा। सूर्यकुमार ने हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने आईपीएल में 700 से ज्यादा रन बनाये थे। आईपीएल के बाद उन्होंने मुंबई टी20 लीग में भी खेला थ और इस दौरान उनके दर्द बढ़ गया था।

लाबुशेन वेस्टइंडीज दौर में असफल रहे तो एशेज सीरीज के लिए टीम से बाहर होंगे : गिलेस्पी

मेलबर्न (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी ने कहा है कि बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन के लिए वेस्टइंडीज दौरा अपनी जगह बचाने का अंतिम अवसर है। गिलेस्पी के अनुसार अगर लाबुशेन इस दौरे में रन नहीं बना पाये तो वह एशेज सीरीज के लिए टीम से बाहर हो जाएंगे। पिछले कुछ समय से वह लगातार रनों के लिए संघर्ष कर रहे हैं जिससे टीम में उनकी जगह खतरे में पड़ गयी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल में भी वह रनों के लिए संघर्ष करते दिखे। वह 2023-25 ??के अपने चक्र की 20 पारियों में 974 रन ही बना पाये हैं जिसमें 38 पारियों में एक शतक और आठ अर्द्धशतक के साथ ही 27.82 का खराब औसत रहा। लाबुशेन ने अपना अंतिम टेस्ट शतक जुलाई 2023 में एशेज के दौरान मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ लगाया था। तबब से, उन्होंने 16 टेस्ट में 24.74 की औसत से ही रन बनाए हैं, उन्होंने 30 पारियों में 668 रन और 7 अर्द्धशतक लगाये हैं। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, यह एक मुश्किल सवाल है। पिछले दो साल में उनका औसत 20 के बीच रहा है, और उन्होंने केवल एक शतक लगाया है। अगर वह वेस्टइंडीज में खेलते हैं, तो मुझे लगता है कि यह निश्चित रूप से आखिरी अवसर है, इसमें कोई संदेह नहीं है। मुझे लगता है कि अगर वह बेहतर प्रदर्शन नहीं करते हैं, तो मुझे लगता है कि उन्हें एशेज में खेलने का अवसर नहीं मिलेगा। वहीं टीम में बल्लेबाजी क्रम को लेकर गिलेस्पी ने कहा, मुझे पता है कि स्टीव स्मिथ चौथे नंबर पर बेहतर खेलते है और मुझे लगता है कि ट्रैविस हेड की सर्वश्रेष्ठ स्थिति पांचवें नंबर पर है। मुझे लगता है कि वे लोग काफी हद तक तैयार हैं। इसलिए चयनकर्ताओं को यह तय करना होगा क्या जोस इंग्लिस तीसरे नंबर पर काम करने के लिए एक अच्छे विकल्प हैं। या मार्नस तीसरे नंबर पर काम करने के लिए सबसे अच्छे व्यक्ति हैं? अगर वे हैं, तो उनमें से किसी एक को शामिल करें। उन्होंने कहा, अगर नहीं, तो घरेलू क्रिकेट में कुछ प्रदर्शन करने वालों को या तो ओपनर या नंबर तीन पर उतारें।

लगातार दूसरे सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार में तेजी रही

सेंसेक्स और निफ्टी 1.5 फीसदी से ज्यादा तेजी के साथ बंद हुए

मुंबई (एजेंसी)। बीते सप्ताह जियोपोलीटिकल टेंशन, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बावजूद घरेलू शेयर बाजार में तेजी दर्ज की गई। हालांकि शेयर बाजार में सप्ताह भर उथल पुथल भरा कारोबार देखने को मिला। 20 जून को खत्म हुए हफ्ते में बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी में 1.5 फीसदी से ज्यादा की बढ़त के साथ बंद हुए। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को हरियाली दिखी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 288.79 अंक चढ़कर 81,407.39 पर खुला और 677.55 अंक चढ़कर 81,796.15 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 98.9 अंक चढ़कर 24,817.50 पर खुला और 227.90 अंक चढ़कर 24,946.50 पर बंद हुआ। मंगलवार को लाल निशान पर खुला बाजार हरे निशान पर भी आया, लेकिन यह हरियाली ज्यादा देर नहीं टिकी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 127.02 अंक गिरकर 81,669.13 पर खुला और 212.85 अंक

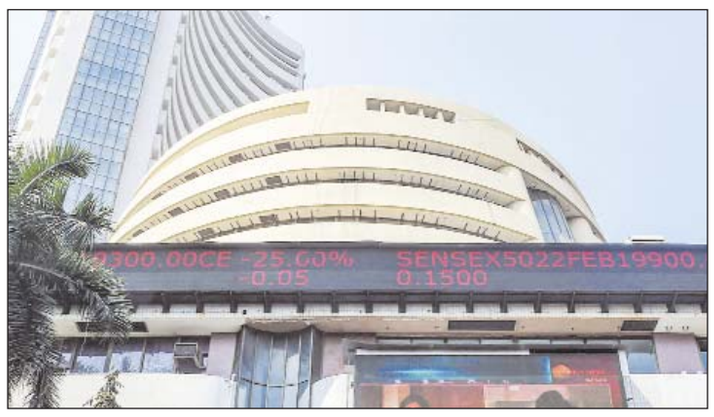

गिरकर 81,583.30 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 369.14 अंक गिरकर 81,427.01 अंक पर आ गया था। निफ्टी 55 अंक गिरकर 24,891.50 पर खुला और वहीं एनएसई निफ्टी 93.10 अंक या 0.37 प्रतिशत गिरकर 24,853.40 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स बाद में उछला और 93.05 अंक बढ़कर 81,676.35 पर खुला और 346.29 अंक गिरकर 81,237.01 के निचले स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 42.80 अंक बढ़कर 24,896.20 पर खुला और 41.35 अंक गिरकर 24,812.05 अंक पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच गुरुवार को सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली गिरावट रही। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 253.62 अंक गिरकर 81191.04 पर खुला और 82.79 अंक गिरकर 81,361.87 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसने 392.9 अंक का उतार-चढ़ाव देखा और 81,583.94 अंक के उच्चतम और 81,191.04 अंक के न्यूनतम स्तर को छुआ। जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 73.95 अंक गिरकर 24738.10 पर खुला और एनएसई निफ्टी 18.80 अंक गिरकर 24,793.25 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार की शुक्रवार को सपाट शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 289.43 अंक चढ़कर 81,651.30 पर खुला और 1046.30 अंक उछलकर 82,408.17 अंक पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 88.25 अंक चढ़कर 24,881.50 पर खुला और 319.15 अंक बढ़कर 25,112.40 अंक पर बंद हुआ।

रुपया 13 पैसे की बढ़त के साथ 86.60 डॉलर पर

मुंबई (एजेंसी)। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और डॉलर के कमजोर रुख के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 13 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.60 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.65 पर खुला। बाद में पिछले बंद भाव के मुकाबले 13 पैसे की बढ़त के साथ 86.60 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया गुरुवार को 30 पैसे टूटकर दो महीने के निचले स्तर 86.73 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। पिछले तीन सत्र में यह कुल 69 पैसे टूटा था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.59 पर रहा।

विराट के नहीं होने से घटेगा सीरीज का आकर्षण - स्टोक्स

लीड्स (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स इस बात से निराश है कि इस इस बार उन्हें विराट कोहली के खिलाफ खेलने का अवसर नहीं मिल रहा। स्टोक्स के अनुसार विराट जैसे विरोधी का सामना नहीं करना निराशाजनक होता है। साथ ही कहा कि इससे भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज का आकर्षण भी कम हुआ है। स्टोक्स के अनुसार उनके नहीं रहने से भारतीय टीम में भी जीतने का जुनून कम होगा। कोहली ने आईपीएल के बाद ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। इंग्लैंड क्रिकेट द्वारा जारी एक वीडियो में स्टोक्स ने बताया कि कोहली के संन्यास से भारत को किस चीज की कमी खलेगी। स्टोक्स ने कहा, 'भारतीय टीम को मुकाबलों के दौरान विराट के जुझारूपन, उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता और जीतने के जुनून में कमी का अनुभव होगा। विराट 18 नंबर की जर्सी के लिए जाने जाते हैं अब इस नंबर की जर्सी नहीं देखने को मिलेगी जो हमारे लिए अजीब होगा। वह लंबे समय से उनके लिए शानदार रहे हैं। कोहली अपने शानदार करियर के दौरान टेस्ट क्रिकेट के सबसे बड़े ब्रांड एम्बेस्डर में से एक रहे हैं और ऐसे समय में जब टी20 क्रिकेट लंबे प्रारुप पर हावी हो रहा था तभी उन्होंने इस पारंपरिक प्रारूप को समर्थन दिया दिया जिससे खेल प्रशंसक टेस्ट की ओर खिंचे चले आये। स्टोक्स का कहना है कि वह भी टेस्ट प्रारुप को पसंद करते हैं। उन्होंने बताया कि कोहली के संन्यास की घोषणा के बाद मैंने उन्हें लिखित संदेश भेजा था। स्टोक्स ने कहा, 'मैंने उन्हें लिखित संदेश भेजा और इसमें कहा था कि उनके खिलाफ नहीं खेलना निराशाजनक होगा क्योंकि मुझे उनके खिलाफ खेलना पसंद है। हम दोनों एक-दूसरे के खिलाफ खेलना पसंद करते हैं क्योंकि जब हम मैदान पर होते हैं तो हमारी मानसिकता जंग जैसी होती है।

शुभमन की टीम प्रतिभाशाली , विशेष सफलता हासिल करेगी - कपिल देव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि शुभनन गिल के नेतृत्व में इंग्लैंड गयी टीम को अनुभवहीन कहना गलत है। कपिल ने कहा कि शुभमन और उनकी टीम काफी प्रतिभाशाली है और वे इस दौरे में कुछ विशेष जरुर करेंगे। कपिल ने शुभमन को कप्तान बनाये जाने के फैसले को सही बताया है। उन्होंने माना कि शुभमन ने इससे पहले इंग्लैंड में केवल 3 टेस्ट मैच खेले हैं जिनमें उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और उन्होंन 14.66 की औसत से केवल 88 रन बनाए हैं। कपिल ने शुभमन को अच्छा और प्रतिभाशाली खिलाड़ी बताया और कहा कि अब वह भारतीय टीम का कप्तान है। साथ ही भरोसा जताया है कि वह ट्रॉफी लेकर लौटेगा। उन्होंने कहा कि सभी को शुभकामनाएं।

मुझे उम्मीद है कि वे विजेता बनकर घर लौटेंगे और अपनी पूरी क्षमता के साथ खेलेंगे। 1983 की विश्व कप विजेता टीम के कप्तान कपिल देव मौजूदा भारतीय टीम को अनुभवहीन कहे जाने के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, आज वे हो सकता है कि अनुभवहीन हों, लेकिन कल वे अनुभवी हो जाएंगे हमें अपनी टीम पर गर्व होना चाहिये। मुझे इन खिलाड़ियों में भरोसा है कि वे कुछ विशेष करेंगे। मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि जाओ और खेलो। केवल इतनी बात है। आनंद उठाओ, मैं भारतीय टीम से सिर्फ इतना कहना चाहता हूं। कपिल ने टीम के तेज जसप्रीत बुमराह की भी प्रशंस करते हुए उन्हें विश्व के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक करार दिया।

खाद्य तेल की कमी और कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका

कांडला पोर्ट पर जहाजों की भारी भीड़ और माल उतराई में हो रही देरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आने वाले दिनों में खाने के तेल की कमी और कीमतें बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि कांडला पोर्ट पर जहाजों की भारी भीड़ और माल उतराई में हो रही देरी होने की वजह से यह स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) और कई व्यापारिक संगठनों ने सरकार को चेताया है कि यदि पोर्ट की स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो देशभर में सप्लाई चेन बाधित हो सकती है और तेल महंगा हो सकता है। एसईए के अनुसार, नवंबर 2024 से मई

2025 के बीच भारत का खाद्य तेल आयात 9 फीसदी गिरकर 78.8 लाख टन रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 86.7 लाख टन था। भारत हर महीने लगभग 7.5 लाख टन पाम ऑयल आयात करता है और यह दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य तेल आयातक है। कांडला पोर्ट पर फिलहाल 157,000 टन तेल लादे 8 जहाज बर्थिंग का इंतजार कर रहे हैं। सिर्फ 2 जहाजों से 45,000 टन तेल की अनलोडिंग हो रही है। अगले कुछ दिनों में 159,000 टन तेल के साथ 5 और जहाज पहुंचने वाले हैं। पोर्ट अधिकारियों के अनुसार फिलहाल 6 खाद्य तेल और 6 रसायन वाले जहाज एंकर पर हैं। शुल्क कटौती बनी आयात बढ़ने की वजह से कांडला पोर्ट अथॉरिटी के एक प्रमुख अधिकारी के अनुसार मई में आयात शुल्क में कटौती के बाद खाद्य तेल की आवक में अचानक तेज़ी आई है। उन्होंने कहा कि औसतन 8-10 दिन की प्रतीक्षा हो रही है लेकिन संचालन प्रक्रियाओं को सख्त किया गया है और समाधान की कोशिशें जारी हैं।

नामी कारोबारी संजय कपूर की संपति के तीन वारिस

लेकिन अभी कंपनी को मौजूदा बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स संभालेगा

मुंबई,(एजेंसी)। करिश्मा कपूर के पूर्व पति और नामी कारोबारी संजय कपूर के आकस्मिक निधन ने न सिर्फ उनके परिवार को गहरे शोक में डुबो दिया, बल्कि अब उनके कारोबार और अरबों की संपत्ति को लेकर चर्चाएं तेज हैं। दुनिया की टॉप ऑटो पार्ट्स कंपनियों में शुमार उनकी फर्म को उन्होंने खुद अपने पिता के निधन के बाद 2015 में संभाला था, और कुछ ही सालों में इंटरनेशनल लेवल पर स्थापित किया। फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक, संजय कपूर की कुल नेटवर्थ 1.2 बिलियन डॉलर (करीब 10,300 करोड़) थी। 2022 से 2024 के बीच उनकी संपत्ति अपने शीर्ष स्तर 1.6 बिलियन डॉलर (13,000 करोड़) तक पहुंची थी। वे भारत और विदेशों में फैले कई व्यवसायों और निवेश योजनाओं से जुड़े थे, जिसमें

ऑटो सेक्टर, टेक इनोवेशन, और लग्जरी रियल एस्टेट प्रमुख हैं। संजय और करिश्मा कूपर की बेटी समायरा कपूर, बेटा कियान कपूर है। वहीं संजय की दूसरी पत्नी प्रिया सचदेव से एक बेटा अजरियास कपूर जो अभी सिर्फ 6 साल का है।

कंपनी की बागडोर अब सीधे तौर पर किसी वारिस को नहीं मिलेगी है, क्योंकि तीनों बच्चे अभी सक्रिय रूप से कारोबार से जुड़े नहीं हैं। इसकारण कंपनी का संचालन मौजूदा बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स संभालेगा। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, संपत्ति का प्रमुख प्रबंधन उनकी पत्नी प्रिया सचदेव को सौंपा गया है।

रिपोर्ट्स बताती हैं कि संजय ने करिश्मा से हुए दोनों बच्चों को पहले ही 14 करोड़ रुपये के बॉन्ड्स गिफ्ट किए थे। साथ ही, उन्हें जीवन भर के लिए 10 लाख रुपये प्रति माह की मासिक आय की सुविधा दी गई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि उन्होंने अपने बच्चों के भविष्य की आर्थिक सुरक्षा पहले ही सुनिश्चित कर दी थी। संजय कपूर की कई संपत्तियां अमेरिका, यूके और सिंगापुर जैसे देशों में भी हैं। अब सवाल उठता है कि इन विदेशी संपत्तियों का भविष्य क्या होगा अगर संजय कपूर ने वसीयत तैयार की थी, तब विदेशी संपत्तियों का बंटवारा उसी के अनुसार होगा। लेकिन अगर वसीयत नहीं है, तब संबंधित देश के उत्तराधिकार कानून के तहत वैध उत्तराधिकारी को वह संपत्ति दी जाएगी। यह उस देश के कानूनी ढांचे पर निर्भर करेगा जहां वह संपत्ति स्थित है।

सोने की कीमत गिरकर 99,000, चांदी 1.06 लाख से फिसली

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू बाजार में शुक्रवार के कारोबारी दिन सोने के भाव 98,800 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,05,800 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। रिकॉर्ड स्तर छूने के बाद अब सोने-चांदी के भाव लगातार गिर रहे हैं। घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने के भाव 98,800 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,05,800 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के भाव नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 482 रुपये की गिरावट के साथ 98,847 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 99,329 रुपये था।

इस समय यह 530 रुपये की गिरावट के साथ 98,799 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरम रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 892 रुपये की गिरावट के साथ 1,06,501 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,07,393 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रैक्ट 1,529 रुपये की गिरावट के साथ 1,05,864 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में

आज सोने-चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,387.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,408.10 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 36.70 डॉलर की गिरावट के साथ 3,341.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.75 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 36.91 डॉलर था। इस समय यह 1.10 डॉलर की गिरावट के साथ 35.81 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

शुभमन की कप्तानी में बेहतर शुरुआत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

लीड्स (एजेंसी)। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम शुक्रवार से यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में उतरेगी। इस मुकाबले से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीस) 2025-27 के चक्र की भी शुरुआत होगी। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य इसमें बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा। इस सीरीज में भारतीय टीम विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना उतरेगी ऐसे में टीम में शामिल युवाओं के पास अपने को साबित करने का अच्छा अवसर रहेगा। ऐसे में ये सीरीज भारतीय क्रिकेट के लिए भी एक नए युग की तरह होगी। इस मैच में शुभमन के अलावा शस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन जैसे खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी। सात साल बाद वापसी कर रहे करुण नायर के अभ्यास सत्र में चोटिल होने से भी टीम को झटका लगा है। गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह के बास रहेगी। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाज उनका साथ देंगे। स्पिन की कमान कुलदीप यादव के पास रहेगी। वहीं पिच की बात करें तो हेडिंग्ले की पिच अपने उछाल और तेजी के लिए जानी जाती है। वहीं पिच क्यूरेटर रॉबिन्सन का कहना है कि वह चाहते हैं मैच पूरे पांच दिन तक चले। उनका उद्देश्य यह है कि पिछली बार की तरह तीन दिन में खेल खत्म न हो इसलिए ऐसे पिच बनायी गयी है जिसपर शॉट खेले जा सकें। उन्होंने उम्मीद जताई है कि जो भी टीम पहले बल्लेबाजी करेगी वह करीब 300 रन बना सकेगी। मौसम विभाग ने भी गर्मी की संभावना जताई है, जिससे बल्लेबाजों को सहायता मिल सकती है। हालांकि पिच फिलहाल हरी-भरी दिख रही है, जिससे शुरुआती ओवरों में तेज गेंदबाजों को सहायता मिल सकती है। आंकडों पर नजर डालें तो यहां अब तक 81 टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं, जिसमें से 37 मैच मेजबान टीम ने जीते हैं। विदेशी टीमों को यहां 25 बार जीत मिली है जबकि 18 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। यहां दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने वाली टीम को ज्यादा सफलता मिली है। वहीं पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जहां 29 बार जीत हासिल की, वहीं दूसरी पारी में खेलने वाली टीम ने 34 बार जीत दर्ज की है। इस मैदान पर अब तक का सबसे अधिम स्कोर 653/4 और सबसे कम स्कोर 61 रन रहा है।

कोच्चि टस्कर्स केस में बीसीसीआई को बड़ा झटका

539 करोड़ का मुआवजा चुकाना होगा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को 2011 में आईपीएल टीम कोच्चि टस्कर्स केरल को टर्मिनेट करने के फैसले पर बड़ा झटका लगा है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक पुराने मामले में फैसला सुनाते हुए बीसीसीआई को कोच्चि टस्कर्स के मालिकों को 539 करोड़ रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि टीम को बिना उचित और ठोस कारण के प्रतियोगिता से हटाया गया था, जो अनुबंध का उल्लंघन है। यह मामला पिछले कई वर्षों से कानूनी प्रक्रिया में चल रहा था और अब जाकर इसमें कोर्ट का अंतिम फैसला सामने आया है। हाईकोर्ट ने 2015 में दिए गए मध्यस्थता के फैसले को बरकरार रखा, जिसमें यह कहा गया था कि कोच्चि टस्कर्स को हटाने का निर्णय गलत था और इसके लिए बीसीसीआई को मुआवजा देना होगा। कोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई को कोच्चि क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड (केसीपीएल) को 385.50 करोड़ रुपये और रेंडेजवस स्पोर्ट्स वर्ल्ड (आरएसडब्ल्यू) को 153.34 करोड़ रुपये चुकाने होंगे। यह दोनों कंपनियां मिलकर कोच्चि टस्कर्स केरल की मालिक थीं। मामला 2011 में तब शुरू हुआ, जब कोच्चि टस्कर्स को केवल एक सीजन खेलने के बाद आईपीएल से बाहर कर दिया गया था। बीसीसीआई ने तब दावा किया था कि टीम मालिक समय पर जरूरी बैंक गारंटी नहीं दे पाए, इसीलिए अनुबंध के अनुसार उन्हें बाहर करना पड़ा। लेकिन टीम मालिकों ने इस दावे को गलत बताया और 2012 में मध्यस्थता की प्रक्रिया शुरू की। उनका कहना था कि टीम को हटाने का कारण मनमाना और अनुचित था। 2015 में पंचाट ने मालिकों के पक्ष में फैसला सुनाया और बीसीसीआई को भारी मुआवजा देने का आदेश दिया, जिसे बाद में बीसीसीआई ने बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी। अब जस्टिस रियाज आई. चागला ने कहा है कि कोर्ट इस मामले में आर्बिट्रेशन एक्ट के सेक्शन 34 के अंतर्गत केवल सीमित दखल दे सकता है और जो भी निर्णय मध्यस्थ ने दिया, वह कानून के अनुरूप है। उन्होंने यह भी कहा कि बीसीसीआई ने बैंक गारंटी से जुड़े प्रावधानों का गलत तरीके से उपयोग किया, जो दोनों पक्षों के बीच हुए करार के खिलाफ था। इस फैसले में कहा गया है कि बीसीसीआई को अगर इस आदेश के खिलाफ आगे अपील करनी है, तो वह छह हफ्तों के भीतर सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकता है। कोच्चि टस्कर्स केरल टीम की बात करें तो यह फ्रेंचाइजी 2011 में आईपीएल का हिस्सा बनी थी।

उसी साल पुणे वॉरियर्स इंडिया टीम भी लीग में शामिल हुई थी। श्रीलंकाई बल्लेबाज महेला जयवर्धने उस टीम के कप्तान थे। हालांकि, कोच्चि की टीम का प्रदर्शन औसत रहा और वह दस टीमों में आठवें पायदान पर रही। इसके बाद विवादों और अनुबंध संबंधित मुद्दों के कारण टीम को बाहर कर दिया गया और वह फिर कभी आईपीएल का हिस्सा नहीं बन पाई। अब कोर्ट के इस निर्णय ने न सिर्फ बीसीसीआई की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, बल्कि यह संदेश भी दिया है कि किसी भी कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन महंगा पड़ सकता है, चाहे सामने कोई भी संस्था हो।

'योग निरोगी रखने में सहायक, दिनचर्या में करें शामिल'

विश्व योग दिवस पर उप मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं आमजनों के साथ किया योगाभ्यास

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में 11वां विश्व योग दिवस उत्साह व उमंग के साथ मनाया गया। मार्तण्ड स्कूल ग्राउण्ड एक के मैदान में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में 11वें विश्व योग दिवस पर वसुधैव कुटुम्बकम के लिये वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षकों, स्थानीय नागरिकों तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सामूहिक योग किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता, कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, डीआईजी राजेश सिंह, प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवड़े, सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने सामूहिक योगाभ्यास किया। उप मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों व उपस्थित जनों को योग को अपने दैनिक दिनचर्चा में शामिल करने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि योग शरीर को निरोगी रखने में सहायक है। योग को दिनचर्या में शामिल करने से हम अपने स्वास्थ्य को ठीक रख सकते हैं। जब हम स्वस्थ रहेंगे तभी परिवार, समाज एवं सार्वजनिक जीवन में अपनी जिम्मेदारियों का पूरी सक्षमता से निर्वहन कर पाएंगे। हमें गर्व है कि हमारी प्राचीन योग परंपरा को विश्व स्तर पर मान्यता मिली है। महर्षि पतंजलि ने देश व समाज को योग से अवगत कराया। वर्तमान समय में बाबा रामदेव ने इस विधा को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य किया। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे विश्वव्यापी बनाने का कार्य किया और संपूर्ण विश्व में योग दिवस पर लोग योग करके इसे अंगीकार कर रहे हैं। भारत पूरी दुनिया को परिवार मानता है। शुक्ल ने योग दिवस पर सभी के स्वस्थ रहने की कामना की।

सामूहिक योगाभ्यास के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विशाखापट्नम से लाइव प्रसारण देखा गया तथा प्रधानमंत्री जी का उद्बोधन सुना गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भोपाल से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का उद्बोधन भी लाइव प्रसारित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता, जिला आयुष अधिकारी श्रीमती शारदा मिश्रा, एसडीएम अनुराग तिवारी, सांदीपनि विद्यालय प्राचार्य वरूणेन्द्र सिंह, सहित अधिकारी, शिक्षक, स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि, पुलिस के अधिकारी योग में शामिल हुए।

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिये योग अत्यंत महत्वपूर्ण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिये योग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसे अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल कर प्रतिदिन नियमित रुप से योग करें। उन्होने कहा कि योग मानसिक तनाव से मुक्त रखने के साथ ही व्यक्ति को निरोगी भी बनाता है। राज्यमंत्री बागरी शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना के हाल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहीं थी। राज्यमंत्री ने कहा कि सभी लोग योग करें और निरोगी रहें। राज्यमंत्री बागरी ने कहा कि मनुष्य का शरीर पंचतत्वों से मिलकर बना है। योग करने से सभी पंच तत्व संतुलित रहते है। सांसद गणेश सिंह ने कहा कि योग हमारी प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार है। जिसे विश्व में विख्यात करने का काम हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। इस मौके पर महापौर योगेश ताम्रकार, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह परिहार, स्पीकर नगर निगम राजेश चतुर्वेदी, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, एएसपी शिवेश सिंह, जिला आयुष अधिकारी डॉ. नरेंद्र पटेल, डीपीसी एवं प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी विष्णु त्रिपाठी, एडीपीसी गिरीश अग्निहोत्री भी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में भोपाल के अटल पथ पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण बड़ी स्क्रीन पर देखा गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में सामूहिक रूप से योग के विभिन्न आसनों, प्राणायाम और ध्यान की क्रियाओं का अभ्यास कराया गया। जिसमें स्कंध चालन, ग्रीवा चालन, कटि चक्रासन, पवन मुक्तासन, शशकासन का योगाभ्यास कराया गया। इसके अलावा अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, शीतली एवं नाड़ी शोधन प्राणायम का अभ्यास योग प्रशिक्षकों द्वारा कराया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने सरस्वती जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन और माल्यार्पण कर किया।

वेंकट भवन में किया गया योगाभ्यास

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। 11वें विश्व योग दिवस पर पुरातात्विक स्थल वेंकट भवन में योगाभ्यास किया गया। केंद्रीय संचार ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा अंतरष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन वेंकट भवन परिसर में किया गया। योग प्रशिक्षक उमा सोंधिया ने उपस्थित जनों को योग और सूर्य नमस्कार के महत्व के बारे में बताया तथा योगाभ्यास कराया। केंद्रीय संचार ब्यूरो के प्रभारी मुकेश कुमार मंडल द्वारा उपस्थित अतिथियों को योग दिवस के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर योग से संबधित प्रश्न मंच का भी आयोजन किया गया एवं विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। योगाभ्यास में सामाजिक संगठन, खिलाड़ियों एवं नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी कुलदीप सिंह, पुलिस विभाग के बी. के. त्रिपाठी, राज्य आनंद संस्थान से साबिर, समाजसेवी डॉ. मुकेश येंगल तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जिला न्यायालय एवं बाल संप्रेक्षण गृह में किया गया योगाभ्यास

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विश्व योग दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री राकेश मोहन प्रधान की उपस्थिति में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर न्यायाधीश श्री सुरेन्द्र कुमार, अन्य न्यायाधीशगण, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री समीर कुमार मिश्र एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री अभय कुमार मिश्रा ने भी योग किया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि योग करने से हमारा तन एवं मन दोनों स्वस्थ रहता है। निरंतर योग करने से हमारे मन में शुद्ध विचार उत्पन्न होते हैं। योगाचार्य डॉ केपी शर्मा एवं योगाचार्य अरविंद पाण्डेय द्वारा योग की क्रियाएं कराई गईं। बाल संप्रेक्षण गृह में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री समीर कुमार मिश्र की उपस्थिति में बालकों को योग कराया गया। इस दौरान निश्चल कुमार सिंह, न्यायालय के कर्मचारी व विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी उपस्थित रहे।

केन्द्रीय जेल में योग शिविर का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विश्व योग दिव के अवसर पर केन्द्रीय जेल में भारतीय मानवाधिकार एसोसियेशन एवं दिव्य बुद्ध योग संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में योग शिविर का आयोजन किया गया। जेल परिसर में जेल कर्मचारीगण तथा बंदियों ने योग की विभिन्न क्रियाएं की। उप जेल अधीक्षक संजीव कुमार गेंदले द्वारा योग, प्राणायाम के महत्व के साथ-साथ स्वास्थ्य लाभ लेने के तरीके एवं नियमित दिनचर्या के संबंध में जानकारी देकर बंदियों को जागरूक किया। कार्यक्रम में योगाचार्य डॉ अजय कुमार, ध्रुव कुमार मिश्रा, प्रभाकर मिश्रा, डॉ सरोज सोनी, अनीषमणि पाण्डेय, सहायक जेल अधीक्षक श्याम सिंह कुशवाह सहित स्टाफ व बंदी उपस्थित रहे।

11वे अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर मैहर में सामूहिक योगाभ्यास

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। 11वे अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योग का जिला स्तरीय कार्यक्रम विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी के मुख्यातिथ्य में मैहर के आरपी पैलेस में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में भोपाल के अटल पथ पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण बड़ी स्क्रीन पर देखा गया। जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम के उपरांत मैहर पर्यटक सूचना केन्द्र में आयोजित वृक्षारोपण अभियान में 121 पौधे रोपित किये गये। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने, कलेक्टर रानी बाटड़, अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, सीएसपी महेंद्र सिंह, तहसीलदार जितेंद्र पटेल सहित जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों तथा नगर के गणमान्य जनों द्वारा सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी ने कहा कि स्वस्थ जीवन, शांत मन एवं निरोगी शरीर के लिए योग को अपने दिनचर्या में शामिल करे। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के लिए योग का महत्वपूर्ण स्थान है। योग जीवन के सभी पहलुओं के बीच संतुलन स्थापित करने के साथ स्वास्थ्य और कल्याण के लिए समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है। योगाचार्य अनिकेत पाल ने बताया नाडी शोधन प्राणायाम अनुलोम विलोम मनुष्य के हृदय की समस्या से निजात पाने के लिए अनुलोम विलोम प्राणायाम का अभ्यास अति उत्तम लाभकारी है। मानव शरीर में 72 करोड़ 72 लाख 10 हजार 201 नस नाड़ियां हैं। इन सभी नस नाड़ियों में होने वाले ब्लॉकेज को पूर्ण रूप से खत्म करता है। नाडी शोधन प्राणायाम अनुलोम, विलोम रक्त में हीमोग्लोबिन की मात्रा को बढ़ाता है और शरीर के कार्य करने की कार्य क्षमता बढ़ती है।

मिशन वात्सल्य योजना के तहत कार्यशाला का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मिशन वात्सल्य योजना अंतर्गत किशोर न्याय बालकों का देखरेख एवं संरक्षण अधिनियम एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, बेटी बचाओ बेटी पढाओ अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में समीर कुमार मिश्रा सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण ने 18 वर्ष से कम उम्र के बालक-बालिका के साथ घट रही यौन अपराधों पर चिंता करते हुए पॉक्सो अधिनियम के बारे विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पाक्सो अधिनियम ऐसे अपराधियों के लिए है जो 18 वर्ष से कम आयु के बालक बालिकाओं के साथ अपराध करते हैं उनके लिए कठोर प्रावधान किए गए हैं। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री अभय कुमार मिश्रा ने महिलाओं के संबंध में अपराधिक विधियों के बारे में जानकारी दी। लीगल एड डिफेंस काउंसिल के असिस्टेंट अनीष पाण्डेय ने बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम के तहत विशेष कानूनी सुविधा प्रदान की गई। श्रम अधिकारी प्रिया अग्रवाल द्वारा बताया गया कि समाज में बेटियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए एवं उनको स्वयं के पैरों पर खड़ा होने के लिए जागरूक करें। कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाने हेतु लोगों को जागरूक करना चाहिए। जिला कार्यक्रम अधिकारी नयन सिंह द्वारा बताया गया कि किशोर न्याय बालकों का देखरेख संरक्षण अधिनियम के तहत विकासखण्ड स्तरीय बाल संरक्षण समिति के बारे में ग्राम पंचायत स्तर, जनपद स्तर के गठन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत देखरेख एवं संरक्षण के आवश्यकता की श्रेणी में आने वाले बच्चों को सुरक्षित एवं बाल मैत्री वातावरण प्रदान करने, बाल संरक्षण सेवाओं पर बेहतर पहुंच बनाए जाने के लिए प्रयास किया जाय। कार्यक्रम का संचालन आशीष द्विवेदी सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किया गया अभार प्रदर्शन स्वाती श्रीवास्तव बाल संरक्षण अधिकारी द्वारा किया गया। कार्यशाला में महिला बाल विकास के परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं सिविल सोसायटी के विभिन्न गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण 23 को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बीएलओ के क्षमता विकास हेतु शेष रह गए राज्य, जिला एवं विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण 23 जून को दोपहर एक बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण के लिए तहसीलदारों, प्राध्यापकों, सहायक प्राध्यापकों, प्राचार्य एवं व्याख्याताओं को नामांकित करते हुए नियत समय पर उपस्थिति के निर्देश दिए गए हैं।

रीवा में आज होगी भूतपूर्व सैनिकों की रैली

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भूतपूर्व सैनिकों की रैली 22 जून को कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में आयोजित की जा रही है। रैली के मुख्य अतिथि जनरल आफीसर कमांडिंग मध्य भारत एरिया लेफ्टिनेंट जनरल पीएस शेखावत होंगे। श्री शेखावत परमविशिष्ट सेवा मेडल तथा अति विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित अधिकारी हैं। रैली का उद्देश्य सैनिकों के योगदान का सम्मान करना और उनकी कल्याण संबंधी आवश्यकताओं को बताना है। इस संबंध में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने बताया कि रैली में रीवा सहित आसपास के सभी जिलों के पूर्व सैनिक तथा सैन्य विधवाएं शामिल होंगी। रैली में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सैनिक कल्याण के डॉक्टरों के दल द्वारा सेवानिवृत्त सैनिकों के निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच की व्यवस्था की गई है। इसमें सभी तरह के टेस्ट निःशुल्क किए जाएंगे। अन्य जिलों से आने वाले पूर्व सैनिकों की सुविधा के लिए बस स्टैण्ड तथा रेलवे स्टेशन में निःशुल्क वाहन भी उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यक्रम स्थल कृष्णा राज कपूर आडिटोरियम में साफ-सफाई तथा पेयजल की व्यवस्था के लिए नगर निगम की टीम तैनात रहेगी। पूर्व सैनिक अपने पहचान पत्र के साथ रैली में शामिल होकर विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। रैली में कल्याण सहायता पंजीकरण, सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता, पेंशन संबंधी सहायता और विशिष्ट सेवा को मान्यता देने के लिए औपचारिक कार्यक्रम जैसी गतिविधियाँ शामिल की जायेगीं।

उप मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस रीवा बायपास के विस्तार कार्य तथा रिंगरोड निर्माण की समीक्षा की

बायपास का विस्तार होने के बाद मिलेगी आठ लेन की सड़क

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सर्किट हाउस नवीन भवन के सभागार में आयोजित बैठक में रीवा बायपास के विस्तार कार्य तथा रिंगरोड निर्माण की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा बायपास का निर्माण पूरा होने के बाद फोरलेन की मुख्य सड़क के साथ दोनों ओर दो-दो लेन की सर्विस रोड की सुविधा मिलेगी। इस बायपास से आठ लेन की सड़क से आवागमन होगा। वर्तमान सड़क को चौड़ा करने के लिए तेजी से कार्य पूरा करें। बिजली, पोल तथा पेयजल की पाइपलाइन की शिफ्टिंग तत्काल कराएं। नवम्बर माह तक बीहर नदी में ब्रिज और नहर में ब्रिज का कार्य पूरा कराएं। रेलवे ओवर ब्रिज का भी काम तेजी से पूरा कराएं। सभी निर्माण कार्य समय सीमा में पूरा करें। आयुक्त नगर निगम पेयजल की पाइपलाइन की शिफ्टिंग तथा अवैध कब्जे को हटाने की कार्यवाही करें।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बेला से सिलपरा रिंग रोड बहुत महत्वपूर्ण सड़क है। इसके अधिकांश भाग का कार्य पूरा हो गया है। शेष कार्यों को दिसम्बर माह तक पूरा कराएं। इसके अधूरे अण्डरपास तथा पुलों का निर्माण तेजी से पूरा करें। रीवा-सीधी हाइवे के शेष भाग को फोरलेन बनाने का कार्य तत्काल शुरू कराएं। बैठक में एनएचआई के प्रतिनिधि ने बताया कि रीवा से मोहनिया टनल तक फोरलेन निर्माण के लिए टेण्डर की प्रक्रिया जारी है। इसी तरह सोन नदी पर मेजर ब्रिज के साथ सर्रा से सीधी तक फोरलेन निर्माण के लिए 430 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। इसमें वन विभाग की अनुमति मिलने के बाद निर्माण कार्य शुरू होगा। बैठक में अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवड़े, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, संभागीय प्रबंधक एमपीआरडीसी तथा निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री ने किया पोडी, पवैया और हाटी में नवनिर्मित सड़क का लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने शनिवार को सतना प्रवास के दौरान रैगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पोडी, पवैया और हाटी में नवनिर्मित सडक का लोकार्पण किया। राज्यमंत्री ने कहा कि यह सडक क्षेत्र के नागरिकों को सुगम, सुरक्षित और सुलभ आवागमन की सुविधा प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि जनता की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए हमने यह सुनिश्चित किया है कि बुनियादी सुविधाएं हर गांव और हर व्यक्ति तक पहुंचाई जायें।

राज्यमंत्री ने सुनी आमजनों की समस्यायें: राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने शनिवार को विधानसभा क्षेत्र कार्यालय सतना में आयोजित जनता दरबार में जिले की आम जनता एवं अन्य गणमान्य नागरिक द्वारा प्रस्तुत की गई समस्याओं से रूबरू हुईं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।